ज्येष्ठ शुक्ल - 4 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 312 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 10-06-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा कार्यकर्ता के रूप में काम करता रहूंगा : अनुराग ठाकुर

6 राहुल-अखिलेश कब तक साथ-साथ?

7 'ये रिश्ता या कहलाता है' से हटाया गया था हिना खान को

फर्स्ट टेक

नई मोदी सरकार के मंत्रिमंडल की पहली बैठक आज शाम को

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति भवन प्रांगण में रविवार को शपथ ग्रहण करने वाली नरेन्द्र मोदी सरकार के मंत्रिमंडल की पहली बैठक सोमवार शाम को प्रधानमंत्री के लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर होने की संभावना है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। नवनियुक्त मंत्रियों की बैठक शाम पांच बजे मोदी के आवास पर होगी। सूत्रों ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की मंत्रिपरिषद में शामिल मंत्रियों के लिए रात्रिभोज का भी आयोजन किया।

अमृतपाल लोकसभा सदस्य की शपथ लेने के लिए रिहाई की गुहार लगाएगा

चंडीगढ़/भाषा। जेल में बंद कट्टरपंथी सिख उपदेशक और खडूर साहिब लोकसभा सीट से निर्वाचित अमृतपाल सिंह पंजाब सरकार को पत्र लिखकर लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के लिए असम की जेल से अस्थायी जमानत देने की गुहार लगाएगा। उसके वकील ईमान सिंह खारा ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''एक या दो दिन में वह राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) की धारा 15 के तहत अस्थायी रिहाई के लिए पत्र लिखेंगे जो नजरबंदी से अस्थायी रिहाई से संबंधित है।'' 'वारिस पंजाब दे' संगठन का प्रमुख अमृतपाल वर्तमान में रासुका के तहत नौ सहयोगियों के साथ असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद है।

यूक्रेन ने रूस के अत्याधुनिक लड़ाकू विमान पर हमला करने का दावा किया

कीव/एपी। यूक्रेन ने रविवार को कहा कि उसके बलों ने अग्रिम चौकियों से लगभग 600 किलोमीटर दूर वायुसेना अड्डे के निकट खड़े रूसी अत्याधुनिक लड़ाकू विमान पर हमला किया है। यूक्रेन के सहयोगी पश्चिमी देशों ने उसे रूस के अंदर सीमित हमलों के लिए अपने हथियारों के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। यूक्रेन की मुख्य सैन्य खुफिया सेवा ने उपग्रह से प्राप्त तस्वीरें साझा कीं और कहा कि इनमें हमले के बाद की स्थिति दिखाई दे रही है। यदि इसकी पुष्टि हो जाती है, तो यह यूक्रेन द्वारा सुखोई-57 लड़ाकू विमान पर किया गया पहला सफल हमला होगा। सुखोई दोहरे इंजन वाला स्टील्थ लड़ाकू विमान है, जिसे रूस का सबसे उन्नत सैन्य विमान माना जाता है। एक तस्वीर में, खड़े हुए विमान के चारों ओर मलबा देखा जा सकता है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय के मुख्य खुफिया निदेशालय के अनुसार, शनिवार को दक्षिणी रूस के अख़्तुबिंस्क अड्डे पर हमला हुआ।

10-06-2024 सूर्यास्त	11-06-2024 सूर्योदय
6:45 बजे	5:53 बजे

BSE	NSE
76,693.36	23,290.15
(+1,618.85)	(+468.75)

सोना	चांदी
7,380 रु.	91,100 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बेमेल मिलन

मिल जाए स्थिर सरकार अगर,
गठबंधन को भी सह लेंगे।
वर्ना दुर्भाग्य समझ करके,
जैसे-तैसे बस रह लेंगे।
इतिहास गवाही देता है,
संभवत: कुछ तो ढह लेंगे।
बेमेल मिलन ना हुए सफल,
बस कथा पुरानी कह लेंगे।।

नरेन्द्र मोदी ने तीसरी बार ली भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ

30 कैबिनेट मंत्रियों और पांच स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्रियों तथा उनके मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने शपथ ली।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नरेन्द्र मोदी ने रविवार शाम को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में आयोजित भव्य समारोह में लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इस मौके पर राजनीति के अनुभवी और नये नेता, कारोबारी, फिल्मी सितारे सहित देशभर से आए करीब नौ हजार लोग मौजूद रहे।

दिन में चिलचिलाती धूप थी और जैसे-जैसे दिन ढलता गया, वैसे-वैसे मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का शपथ ग्रहण समारोह राष्ट्रपति भवन के भव्य बलुआ पत्थर के गुंबद की पृष्ठभूमि में शुरू हुआ, जो केसरिया, सफेद और हरे रंग से जगमगा रहा था। यह करीब ढाई महीने की चुनाव प्रक्रिया का अंतिम अध्याय था, जिसमें मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा 240 सीटों के साथ सत्ता में आई। हालांकि, 2019 के मुकाबले इस बार भाजपा को 60 से अधिक सीट कम मिली है और उसे अब बहुमत के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगियों के समर्थन की जरूरत होगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंत्रियों को शपथ दिलाई और समरोह बिगुल, समारोह वाली वर्दी में मौजूद गार्ड, फूल और भव्य साज-सज्जा के बीच शुरू हुआ लेकिन इन सबपर राजनीति हावी रही। समारोह से पहले संभावित मंत्रियों की सूची का विश्लेषण किया गया और इस पर अंतहीन अटकलें लगती रही कि किन सहयोगियों को मंत्रिमंडल में जगह दी जाएगी। राजग के सहयोगी दलों - विशेष रूप से तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा)और जनता दल यूनाइटेड के कुल 28 लोकसभा सदस्य हैं और इनके समर्थन पर राजग सरकार टीकी है। इन्हीं दो दलों को लेकर कयासों का दौर सबसे अधिक गर्म रहा कि इनके कितने सदस्यों को जगह मिलेगी, किस नेता को दोबारा मंत्री बनाया जाएगा, किन नए लोगों को जगह मिलेगी।

- मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु समेत इस समारोह में भारत के पड़ोसी देशों और हिंद महासागर क्षेत्र के सात शीर्ष नेता भी शामिल हुए।
- ट्रांसजेंडर समुदाय के लोग और साथ ही सफाई कर्मचारी और सेंट्रल विस्टा परियोजना मे काम करने वाले निर्माण मजदूर भी भव्य समारोह के गवाह बने।

सहयोगी दलों में जनता दल सेक्युलर नेता एच डी कुमारस्वामी, हिन्दुस्तान अवामी मोर्चा (सेक्युलर) प्रमुख जीतन राम मांझी, जदयू नेता ललन सिंह और तेदेपा के के. राम मोहन नायडू ने मंत्री पद की शपथ ली।

वरिष्ठ नेताओं राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, निर्मला सीतारमण और एस. जयशंकर ने शपथ ली। वहीं, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर जैसे नए चेहरे भी मंत्री पद की शपथ ली।

इस भव्य समारोह के लिए अतिथियों की सूची भी बारीकी से तैयार की गई थी। इस समारोह में विपक्ष के बहुत ज्यादा नेता नहीं थे। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे तो मौजूद थे, लेकिन कई अन्य विपक्षी नेता समारोह में शामिल नहीं हुए।

इस समारोह में भारत के पड़ोसी देशों और हिंद महासागर क्षेत्र के सात शीर्ष नेता भी शामिल हुए जिनमें मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड', श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, भूटान के शेरिंग तोबगे और सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफिफ प्रमुख हैं।

मोदी के तीसरे शपथ ग्रहण समारोह में कई धार्मिक नेता भी मौजूद रहे। समारोह में फिल्मी सितारों का भी जमावड़ा देखा गया और बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान, अनिल कपूर, दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत, अक्षय कुमार, रवीना टंडन और अनुपम खेर भी शपथ ग्रहण के गवाह बने। हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा के टिकट पर पहली सांसद चुनी गईं कंगना रनौत भी राष्ट्रपति के प्रांगण में मौजूद थीं।

कौन किसके साथ आया, कौन किसके साथ बैठा था और किसने क्या पहना था। इन सभी विवरणों को देश भर में लोगों ने टेलीविजन के माध्यम से देखा।

उद्योगपति गौतम अडाणी, उनकी पत्नी और भाई, मुकेश अंबानी और उनके बेटे और बेटी सहित उनका परिवार, मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ भी वहां मौजूद थे। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रतिभा पाटिल भी इस कार्यक्रम में शामिल हुईं।

सत्ता के केंद्र के विपरीत छोर पर हाशिये पर रहने वाले ट्रांसजेंडर समुदाय के लोग और साथ ही सफाई कर्मचारी और सेंट्रल विस्टा परियोजना मे काम करने वाले निर्माण मजदूर भी भव्य समारोह के गवाह बने।

मंत्रिपरिषद के सदस्यों को मोदी की नसीहत

विनम्र रहें और ईमानदारी व पारदर्शिता से समझौता न करें

नई दिल्ली/भाषा। मनोनीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके नेतृत्व वाली अगली सरकार में मंत्रियों के तौर पर रविवार को शपथ लेने वाले सभी नेताओं को नसीहत दी कि उन्हें विनम्र रहना चाहिए, क्योंकि आम लोग यही पसंद करते हैं। मोदी ने साथ ही उन्हें ईमानदारी एवं पारदर्शिता से कभी कोई समझौता न करने की भी सलाह दी। सूत्रों ने बताया कि नामित मंत्रियों से मुलाकात के दौरान मोदी ने कहा कि लोगों की उनसे काफी अपेक्षाएं हैं और सभी को इसे पूरा करना होगा। उन्होंने निवर्तमान मंत्रिपरिषद के कई वरिष्ठ नेताओं और मंत्री पद की शपथ लेने वाले नए नेताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''आपको जो भी काम सौंपा जाएगा, उसे ईमानदारी से करें और विनम्र रहें क्योंकि लोग उनसे प्यार करते हैं जो विनम्र होते हैं।'' सूत्रों ने बताया कि मनोनीत प्रधानमंत्री ने उनसे यह भी कहा कि वे सभी सांसदों को सम्मान और गरिमा दें चाहे वे किसी भी पार्टी के हों, क्योंकि उनमें से सभी को लोगों ने चुना है। उन्होंने कहा कि मनोनीत मंत्रियों को हमेशा विनम्र होना चाहिए और सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों का सम्मान भी करना चाहिए। उन्होंने चाय पर नेताओं के साथ चर्चा में कहा, ''... आप ईमानदारी और पारदर्शिता से समझौता नहीं कर सकते।''

हम विकसित व आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की यात्रा के अगले चरण में प्रवेश कर रहे हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को नरेन्द्र मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी और कहा कि राष्ट्र 'विकसित भारत' के निर्माण के अपने लक्ष्य की ओर अपनी यात्रा के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है।

शाह ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ-साथ गरीबों और किसानों के उत्थान की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग रहेगी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, ''भारत के लिए एक अविस्मरणीय दिन... श्री नरेन्द्र मोदी जी को लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने की बहुत-बहुत बधाई। आज हम विकसित व आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की यात्रा के अगले चरण में प्रवेश कर रहे हैं। मोदी जी के नेतृत्व में राजग सरकार युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ-साथ गरीबों और किसानों के उत्थान के लिए कटिबद्ध रहेगी और पूरब, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण को एकता के सूत्र में बाँधकर सशक्त भारत का निर्माण करेगी।''

क़तर, मिस्र ने हमास को परिणाम भुगतने की धमकी दी

दोहा/एजेन्सी। कतर और मिस्र ने अमेरिकी प्रशासन के निर्देश पर फिलिस्तीनी आंदोलन हमास के नेताओं को धमकी दी है कि यदि वे इजरायल के साथ युद्धविराम के लिए सहमत नहीं हुए तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है, संपत्ति जब्त की जा सकती है, प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं और दोहा में उनकी शरणस्थली से निष्कासन किया जा सकता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने सूत्रों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी है। हालाँकि रिपोर्ट में कहा गया है कि इन प्रयासों के विपरीत परिणाम सामने आए है और हमास ने कहा है कि वह ऐसे सौदे पर सहमत नहीं होगा जो उसकी शर्तों को पूरा नहीं करते है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पिछले हफ्ते कहा था कि इज़रायल ने हमास को एक रोड मैप के साथ एक नया तीन-चरण का प्रस्ताव दिया, जिससे गाजा पट्टी में शत्रुता की स्थायी समाप्ति होगी और सभी बंधकों की रिहाई होगी।

जम्मू-कश्मीर में तीर्थयात्रियों की बस पर आतंकी हमला, नौ लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

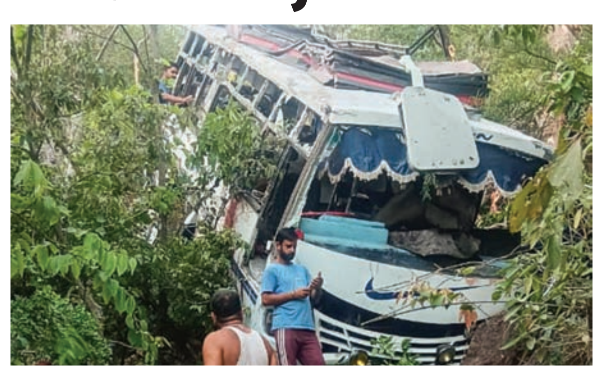

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में रविवार शाम आतंकवादियों ने उत्तर प्रदेश के तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस पर गोलीबारी की, जिससे बस खाई में जा गिरी। इस घटना में नौ लोगों की मौत हो गई और 33 अन्य घायल हुए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

बस शिव खोड़ी मंदिर से कटरा स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर जा रही थी और इसी दौरान पोनी इलाके के तेरयाथ गांव के पास शाम करीब छह बजकर 15 मिनट पर हमला हुआ और 53 सीटों वाली बस गोलीबारी के बाद गहरी खाई में गिर गई।

रियासी की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहिता शर्मा ने संवाददाताओं को बताया, ''प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, आतंकवादियों ने घात लगाकर शिव खोड़ी से कटरा के लिए रवाना हुई बस पर गोलीबारी की। चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और बस खाई में गिर गई।''

शर्मा ने बताया कि बचाव अभियान पूरा हो गया है और अब तक नौ लोगों की मौत हो गई है तथा 33 अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि घायलों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

अधिकारी ने कहा, ''मृतकों की पहचान नहीं हुई है, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्ट से पता चलता है कि वे सभी उत्तर प्रदेश के हैं।'' स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़ितों की मदद की।

प्रत्यक्षदर्शियों ने हमले के बारे में भयावह विवरण साझा किए। एक जीवित बचे व्यक्ति ने बताया कि कैसे बस पर 25 से 30 गोलियां चलाई गईं, उसके बाद बस खाई में गिर गई।

आतंकी हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा : अमित शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि जम्मू कश्मीर के रियासी में तीर्थयात्रियों पर हुए कायराना आतंकवादी हमले में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। रविवार को दूसरी बार केंद्रीय मंत्री के रूप में शपथ लेने के तुरंत बाद शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जम्मू कश्मीर के रियासी में तीर्थयात्रियों पर हुए हमले की घटना से बहुत दुखी हूं। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल और डीजीपी से बात की और घटना के बारे में जानकारी ली। इस कायराना हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।''

राकांपा (शरद चंद्र पवार) ने शेयर बाजार 'घोटाले' की जेपीसी जांच की मांग की

मुंबई/भाषा। शरद पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने एक्जिट पोल और चुनावी बांड के जरिए शेयर बाजारों में हेराफेरी जैसे कथित संस्थागत भ्रष्टाचार की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की रविवार को मांग की। राकांपा (शरदचंद्र पवार) के कार्यकारी अध्यक्ष पी सी चाको ने यह भी दावा किया कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के नतीजों ने इसे असली राकांपा के रूप में स्थापित कर दिया है। राकांपा (एसपी) की विस्तारित कार्यसमिति की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए चाको ने कहा कि पार्टी एग्जिट पोल और चुनावी बॉन्ड के जरिए शेयर बाजार में हेराफेरी जैसे संस्थागत भ्रष्टाचार की जांच के लिए जेपीसी की मांग करती है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी बृहस्पतिवार को आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दी गई शेयर खरीदने की सलाह और फिर चुनाव के बाद आए 'झूठे एग्जिट पोल' के कारण शेयर बाजार में सबसे बड़ा घोटाला हुआ है, जिसमें निवेशकों के 30 लाख करोड़ रुपये डूब गए। उन्होंने कहा था कि इस 'आपराधिक कृत्य' में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री और 'एग्जिट पोल' करने वालों की भूमिका की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया जाए। चाको ने यह भी कहा कि पार्टी ने राष्ट्रीय स्तर पर पुनर्गठन का फैसला किया है। उन्होंने महायुति सरकार में शामिल अजित पवार की अगुवाई वाली राकांपा पर कटाक्ष करते हुए कहा, हम उन लोगों के साथ सहानुभूति रखते हैं, जिन्होंने सत्ता के लिए हमें छोड़ दिया।

इजराइली हमले में 274 फलस्तीनियों की मौत, हमास के कब्जे से चार बंधक मुक्त कराए गए

दीर अल बलाह/एपी। हमास द्वारा बंधक बनाए गए चार लोगों को छुड़ाने के लिए इजराइली सेना द्वारा की गई कार्रवाई में कम से कम 274 फलस्तीनी मारे गए और सैकड़ों अन्य घायल हो गए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह दावा किया। वहीं, इजराइली सेना के मुताबिक दिन में चलाए गए जटिल अभियान के दौरान उसे भारी गोलीबारी का सामना करना पड़ा। चार बंधकों को जीवित बचाने पर इजराइलियों ने अभियान को सफलता के रूप में मनाया।

माना जाता है कि घनी आबादी वाले इलाकों में या हमास की सुरंगों के अंदर बड़ी संख्या में बंधकों को रखा गया, जिससे ऐसे अभियान अधिक जटिल और जोखिम भरे हो जाते हैं। फरवरी में इसी तरह की एक छापेमारी की कार्रवाई में दो बंधकों को मुक्त कराया गया था। अभियान के दौरान 74 फलस्तीनियों की भी मौत हो गई थी। शनिवार को छापेमारी में करीब 700 लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय ने फिलहाल हताहतों में महिलाओं और बच्चों की संख्या नहीं बताई है।

रामोजी राव का हैदराबाद में अंतिम संस्कार किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। मीडिया जगत की जानी मानी हस्ती एवं रामोजी समूह के अध्यक्ष रामोजी राव का रविवार को हैदराबाद में अंतिम संस्कार कर दिया गया। रामोजी फिल्म सिटी में पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके बेटे किरण ने चिता को मुखाग्नि दी।

खबरों और मनोरंजन की दुनिया में व्यापक बदलाव लाने वाले रामोजी समूह के अध्यक्ष रामोजी राव का शनिवार की सुबह यहां एक अस्पताल में निधन हो गया था। वह 88 वर्ष के थे। रामोजी राव के अंतिम संस्कार में तेदेपा प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू समेत कई नेता शामिल हुए। रामोजी राव ने समाचार पत्र 'ईनाडु' और ईटीवी चैनल समूह की शुरुआत करके अविभाजित आंध्र प्रदेश में मीडिया जगत में क्रांतिकारी बदलाव किया था। उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। आंध्र प्रदेश सरकार ने नौ और 10 जून को राजकीय शोक की घोषणा की है। एक आधिकारिक संदेश में कहा गया है कि राजकीय शोक के दौरान पूरे राज्य में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और आधिकारिक रूप से किसी उत्सव का आयोजन नहीं किया जाएगा। पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमण, तेलगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू, तेलंगाना के मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव और डी सीताक्का, फिल्म जगत के सदस्यों और अन्य लोगों ने रामोजी राव को श्रद्धांजलि अर्पित की। चंद्रबाबू नायडू उनकी अर्थी को कंधा देने में शामिल हुए। उन्होंने कहा, ''मैंने भारी मन से अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया और तेलुगु जगत के दिग्गज रामोजी राव को अंतिम विदाई दी। वह अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन वह एक मार्गदर्शक के रूप में हमें प्रेरित करते रहेंगे।''

लोकसभा को 10 साल बाद मिलेगा नेता प्रतिपक्ष, विपक्ष को उपाध्यक्ष पद के चुनाव की भी उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मौजूदा लोकसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों की सीटों की संख्या बढ़ने के साथ ही निचले सदन को 10 साल बाद विपक्ष का नेता (एलओपी) मिलेगा और विपक्षी नेताओं को यह भी उम्मीद है कि जल्द ही उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा।

लोकसभा में पिछले पांच साल से उपाध्यक्ष का पद रिक्त है। पांच जून को भंग हुई 17वीं लोकसभा को अपने पूरे कार्यकाल के लिए कोई उपाध्यक्ष नहीं मिला तथा यह निचले सदन का लगातार दूसरा कार्यकाल था, जिसमें कोई नेता प्रतिपक्ष नहीं था। सभी की निगाहें निचले सदन पर टिकी हैं, जहां विपक्ष का नेता चुना जाएगा और साथ ही एक उपाध्यक्ष पद चुने जाने की भी उम्मीद है। उपाध्यक्ष का पद आमतौर पर विपक्षी खेमे को मिलता है।

'इंडिया' गठबंधन ने संसद के लिए अपनी रणनीति पर अभी तक कोई समन्वय बैठक नहीं की है। वहीं, एक विपक्षी नेता ने कहा कि वे इस बात के लिए दबाव बनाएंगे कि इस बार उपाध्यक्ष का पद खाली न छोड़ा जाए। तृणमूल कांग्रेस के एक नेता ने कहा, ''भाजपा सरकार को लोगों ने नकार दिया है, उन्होंने पिछले पांच सालों में (लोकसभा) उपाध्यक्ष नहीं चुना... उम्मीद है कि भाजपा ने सबक सीख लिया होगा और इस बार उपाध्यक्ष चुना जाएगा।'' सत्रहवीं लोकसभा में भाजपा 303 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत में थी और ओम बिरला को लोकसभा अध्यक्ष चुना गया था। पहली बार, पांच साल के कार्यकाल के दौरान कोई उपाध्यक्ष नहीं चुना गया।

संविधान के अनुच्छेद 93 के अनुसार, लोकसभा को जल्द से जल्द दो सदस्यों को अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में चुनना चाहिए, जब भी पद खाली हो। हालांकि, इसमें कोई विशिष्ट समय सीमा नहीं दी गई है। 'पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च' में विधायी एवं नागरिक जुड़ाव पहल के प्रमुख चक्षु रॉय ने बताया, ''उपाध्यक्ष का पद एक संवैधानिक आवश्यकता है। हालांकि, एक परेशान करने वाली प्रवृत्ति यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर लोकसभा और कुछ राज्यों की विधानसभाओं ने उपाध्यक्ष के पद को नहीं भरा है। उदाहरण के लिए, 2019 से 2024 के बीच, लोकसभा में कोई उपाध्यक्ष नहीं था। पिछली राजस्थान विधानसभा में भी पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए कोई उपाध्यक्ष नहीं था।''

किसान संगठनों ने सीआईएसएफ महिला कांस्टेबल के समर्थन में जुलुस निकाला

कंगना थप्पड़ विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा सहित कई किसान संगठनों ने रविवार को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की उस महिला कांस्टेबल के समर्थन में मोहाली में मार्च निकाला, जिसने बॉलीवुड अभिनेत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नवनिर्वाचित सांसद कंगना रनौत को कथित तौर पर थप्पड़ मारा था। किसान नेताओं ने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए और महिला कांस्टेबल कुलविंदर कौर के साथ कोई अन्याय नहीं होना चाहिए।

मोहाली के गुरुद्वारा अम्ब साहिब से शुरू हुए मार्च के मद्देनजर पर्याप्त सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने पत्रकारों से कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यह पता लगाया जाना चाहिए कि इस घटना का कारण क्या था। उन्होंने कहा कि महिला कांस्टेबल के साथ कोई अन्याय नहीं होना चाहिए। किसान नेताओं ने पंजाब के लोगों के खिलाफ कथित भड़काऊ बयान देने के लिए रनौत पर भी निशाना साधा। कौर किसानों के विरोध प्रदर्शन पर रनौत के रुख से नाराज थीं। हवाई अड्डों पर सुरक्षा प्रदान करने वाले सीआईएसएफ ने भी घटना की 'कोर्ट ऑफ इंक्वायरी' के आदेश दिए हैं। मोहाली पुलिस ने कौर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाने के लिए सजा) और 341 (गलत तरीके से रोकने की सजा) के तहत मामला दर्ज किया है। दोनों ही जमानती अपराध हैं।

नियंत्रण रेखा पर स्थिरता बनाए रखने के लिए सुरक्षा एजेंसियां आवश्यक कदम उठाएंगी : सेना के अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर स्थिति स्थिर है और सुरक्षा एजेंसियां इसे बरकरार रखने के लिए हर आवश्यक कदम उठाएंगी।

सेना की 15वीं कोर के जनरल आफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले के बिपिन रावत स्टेडियम में विजय दिवस की 25 वीं वर्षगांठ पर कारगिल युद्ध के नायकों को सम्मानित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। लेफ्टिनेंट जनरल घई ने कहा, ''सीमा पर स्थिति स्थिर है। स्थिति को स्थिर रखने के लिए जो भी आवश्यक होगा सुरक्षा एजेंसी वह करेगी।'' केंद्र शासित प्रदेश में 70 से 80 विदेशी आतंकवादियों के सक्रिय रहने से संबंधित पुलिस महानिदेशक आर आर स्वैन के बयान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि पुलिस प्रमुख की टिप्पणी तथ्यात्मक है। उन्होंने कहा, ''जहां तक संख्या का सवाल है, डीजीपी ने एक तथ्य बताया है। सुरक्षा एजेंसियां उनके खिलाफ कैसे कार्रवाई कर रही हैं, आप अच्छी तरह जानते हैं अभियान कैसे चलाए जाते हैं।'' स्वैन ने शनिवार को पुलवामा में संवाददाताओं से कहा था कि जब स्थानीय आतंकवादियों की संख्या घट रही है, केंद्र शासित प्रदेश में 70 से 80 विदेशी आतंकवादी सक्रिय हैं। उन्होंने कहा, ''हम स्थानीय आतंकवाद से विदेशी आतंकवाद की ओर बढ़ रहे हैं। स्थानीय आतंकवाद का मतलब है जब स्थानीय युवा इसमें शामिल हो जाते हैं। उनकी संख्या में कमी आई है...70 से 80 विदेशी आतंकवादी यहां प्रवेश कर चुके हैं।

वाणिज्य मंत्रालय आगामी बजट में स्टार्टअप के लिए मांग सकता है ज्यादा राशि

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय देश में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए नई सरकार द्वारा घोषित आगामी बजट में स्टार्टअप के लिए अधिक धनराशि की मांग कर सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। नई सरकार 2024-25 के लिए जुलाई में बजट पेश कर सकती है।

अप्रैल, 2021 में 945 करोड़ रुपये की धनराशि के साथ घोषित सीड फंड योजना 2025 में समाप्त हो जाएगी। मंत्रालय इसी तर्ज पर एक नई योजना प्रस्तावित करने पर विचार कर सकता है।

सीड फंड योजना का उद्देश्य स्टार्टअप्स को अवधारणा के प्रमाण, प्रोटोटाइप विकास, उत्पाद परीक्षण, बाजार में प्रवेश और व्यावसायीकरण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना था।

इस निधि को भारत भर में इनक्यूबेटरों के माध्यम से पात्र स्टार्टअप्स को शुरुआती वित्तपोषण प्रदान करने के लिए चार वर्षों में विभाजित किया गया था।

एक अन्य अधिकारी ने कहा कि किसी उद्यम की वृद्धि के प्रारंभिक चरण में उद्यमियों के लिए पूंजी की आसान उपलब्धता जरूरी है।

मुनक नहर में पर्याप्त पानी नहीं छोड़ा गया तो दिल्ली में बड़ा संकट आ सकता है: आतिशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने रविवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि मुनक नहर से राष्ट्रीय राजधानी के लिए 1,050 क्यूसेक पानी छोड़ा जाए, अन्यथा अगले एक-दो दिन में दिल्ली में बड़ा संकट पैदा हो सकता है।

पत्र में उन्होंने कहा कि दिल्ली में सात जलशोधन संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) यमुना से जल की आपूर्ति पर निर्भर हैं और कच्चे पानी की कमी के कारण हमारे जलशोधन संयंत्र अपनी अधिकतम क्षमता पर काम करने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि मुनक से दिल्ली को करीब 1,050 क्यूसेक पानी मिलना चाहिए, लेकिन आपूर्ति कम हो गई है। आतिशी ने कहा, ''मुनक नहर से पानी घटकर 840 क्यूसेक रह जाने से दिल्ली अपने सात जल संयंत्रों से पर्याप्त पानी नहीं जुटा पाएगी।'' उन्होंने पत्र में कहा, अगर हरियाणा आज पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं छोड़ता है तो अगले एक-दो दिन में दिल्ली में बड़ा संकट पैदा हो जाएगा, इसलिए मैं आपसे विनम्र अनुरोध करती हूं कि मुनक नहर से दिल्ली के लिए 1,050 क्यूसेक पानी छोड़ा जाए।

पत्र में कहा गया, जैसा कि आप जानते हैं, दिल्ली अपनी दैनिक जरूरतों के लिए यमुना के पानी पर निर्भर है। पिछले कुछ दिनों से हरियाणा मुनक नहर में पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं छोड़ रहा है। इसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

हरियाणा सरकार लाभार्थियों को 100 वर्ग गज के भूखंड देगी : मुख्यमंत्री सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 7,500 से अधिक गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) वाले परिवारों को 100 वर्ग गज के भूखंडों का कब्जा प्रमाण पत्र सौंपेगी। सैनी ने कहा कि इन प्रमाण पत्रों के वितरण के अलावा संबंधित भूखंडों का निबंधन (रजिस्ट्रेशन) भी मौके पर ही किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लाभार्थियों को सोमवार को हरियाणा में कई स्थानों पर भूखंडों के कब्जे प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य की महत्वाकांक्षी योजना के तहत सभी के लिए आवास सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्ध है। सैनी ने पिछली कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उसने महात्मा गांधी ग्रामीण बस्ती योजना के तहत गरीब लोगों को भूखंड देने का वादा किया था। सैनी ने दावा करते हुए कहा, ''लेकिन, उन्होंने कभी भी किसी लाभार्थी को इन भूखंडों का कोई लिखित दस्तावेज नहीं दिया।'' उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने ऐसे लोगों की स्थिति को सुधारने के लिए 2024-25 के बजट भाषण में घोषणा की थी कि मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत लगभग 20,000 लाभार्थियों को भूखंडों का कब्जा दिया जाएगा।

सैनी ने कहा कि सरकार ने लंबित 12,500 लाभार्थियों को भूखंड खरीदने के लिए प्रति व्यक्ति एक लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। सैनी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत हरियाणा में 14,939 मकान बनाकर गरीब लोगों को उपलब्ध कराए गए हैं।

गुजरात के समुद्र तट से मिली 16 करोड़ रुपये की चरस

देवभूमि द्वारका/भाषा। गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले में समुद्र तट पर 16 करोड़ रुपये मूल्य के चरस के 30 पैकेट लावारिस मिले हैं। रविवार को पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि वरवाला के समीप समुद्र तट पर तीन बोरियों में प्रतिबंधित सामग्री पाई गई। देवभूमि द्वारका के पुलिस अधीक्षक नितेश पांडे ने बताया, ''दो रात पूर्व तट पर गश्त के दौरान स्थानीय पुलिस और विशेष अभियान समूह (एसओजी) के कर्मियों को वरवाला के पास 30 पैकेटों से भरे तीन प्लास्टिक के बोरे मिले।'' उन्होंने बताया कि फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) के अधिकारियों को सत्यापन के लिए बुलाया गया और उन्होंने पाया कि इन पैकेटों में 32 किलोग्राम चरस है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 16 करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत द्वारका पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

राकांपा को राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार की पेशकश की गई, लेकिन पार्टी कैबिनेट का पद चाहती : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि अजित पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नरेन्द्र मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री का पद चाहती है और उसने भाजपा की ओर से स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री की पेशकश ठुकरा दी।

फडणवीस ने कहा, ''हमने राकांपा को स्वतंत्र प्रभार वाले (राज्य)मंत्री पद की पेशकश की थी, लेकिन वह इस बात पर अड़ी रही कि (राज्यसभा सदस्य) प्रफुल्ल पटेल के नाम को अंतिम रूप दिया जाए। उनके (पटेल के) अनुभव के कारण राकांपा का मानना था कि उन्हें स्वतंत्र प्रभार वाला राज्यमंत्री नहीं बनाया जा सकता।'' उन्होंने कहा, ''गठबंधन सरकार में एक फॉर्मूला तैयार करना होता है, जिसे एक पार्टी के लिए तोड़ा नहीं जा सकता। मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि जब भी मंत्रिमंडल विस्तार होगा, (केंद्र) सरकार राकांपा पर विचार करेगी। हमने अभी राकांपा को मंत्रिमंडल में शामिल करने की कोशिश की, लेकिन उसने कैबिनेट मंत्री पद पर जोर दिया।'' इस बीच, दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि राकांपा ''इंतजार करने के लिए तैयार है'', लेकिन कैबिनेट मंत्री का पद चाहती है।

भाजपा को वोट न देने पर बीड में मराठा समुदाय के लोगों पर हमला : जरांगे का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालना/भाषा। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र के गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस से लोकसभा चुनाव में बीड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार को वोट न देने पर मराठा समुदाय के लोगों पर हमला करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई का रविवार को आग्रह किया।

अंतरवाली सारथी गांव में अनिश्चितकालीन अनशन के दूसरे दिन पत्रकारों से वार्ता करते हुए जरांगे ने दावा किया कि बीड जिले के कुछ गांवों में मराठों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंकजा मुंडे को वोट न देने पर हमला किया जा रहा है। पंकजा चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के उम्मीदवार बजरंग सोनावने से हार गई थीं। जरांगे ने गृह मंत्री और बीड के पुलिस अधीक्षक से हिंसा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और मराठा युवाओं से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि मराठा हितों का विरोध करने वाले नेताओं को आगामी विधानसभा चुनावों में परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

जरांगे मराठा समुदाय के लोगों के लिए अन्य पिछड़ा समुदाय (ओबीसी) का दर्जा और पात्र कुनबी मराठों के रक्त संबंधियों को प्रमाणपत्र जारी करने के लिए राज्य सरकार द्वारा इस साल की शुरुआत में जारी मसौदा अधिसूचना के कार्यान्वयन की मांग को लेकर शनिवार से अनशन कर रहे हैं। कुनबी एक कृषि समूह है जो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में आता है। जरांगे मांग कर रहे हैं कि सभी मराठों को कुनबी प्रमाणपत्र जारी किए जाएं ताकि वे आरक्षण के लाभ के लिए पात्र बन सकें। उन्होंने मराठा समुदाय के लोगों से खेती पर ध्यान देने और अंतरवाली सारथी में प्रदर्शन स्थल पर नहीं आने की सलाह दी है।

इससे पूर्व ग्रामीणों के एक वर्ग ने जिला प्रशासन को एक ज्ञापन सौंपा था, जिसमें सांप्रदायिक सद्भाव के लिए खतरे की आशंका जताते हुए गांव में जरांगे के विरोध प्रदर्शन की अनुमति न देने का आग्रह किया था।

दिल्ली के कनॉट प्लेस में 'गेम आर्केड' में लगी आग

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी के कनॉट प्लेस में थीम आधारित 'एडवेंचर गेम' क्षेत्र में आग लग गई। अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा, ''हमने दमकल की पांच गाड़ियां घटनास्थल पर भेजीं। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।'' उन्होंने बताया कि अपराह्न तीन बजकर 22 मिनट पर आउटर सर्किल क्षेत्र में 'एम' ब्लॉक में स्थित गेम आर्केड के मिस्ट्री कक्ष से फोन आया कि 'गेम क्षेत्र' में आग लग गई है। उन्होंने कहा, ''आग पर काबू पा लिया गया है।'' उन्होंने बताया कि किस कारण लगी इसका पता अभी नहीं चल पाया है।

निज्जर मामला: कनाडा के खुफिया प्रमुख ने इस वर्ष दो बार भारत की गोपनीय यात्रा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कनाडा की खुफिया एजेंसी के प्रमुख डेविड विग्नॉल्ट ने खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से संबंधित मामले की जानकारी भारतीय अधिकारियों को देने के लिए फरवरी और मार्च में दो बार गुप्त रूप से भारत का दौरा किया था। घटनाक्रम से अवगत लोगों ने यह जानकारी दी। ऐसा माना जा रहा है कि कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) के निदेशक विग्नॉल्ट ने हत्या के संबंध में ओटावा की जांच के दौरान सामने आई जानकारी साझा की है।

पिछले साल सितंबर में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के आरोप लगाए जाने के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंधों में गंभीर तनाव आ गया था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका बताकर खारिज कर दिया था। विग्नॉल्ट की अघोषित भारत यात्रा कनाडा द्वारा तीन भारतीय नागरिकों - करणप्रीत सिंह (28), कमलप्रीत सिंह (22) और करन बरार (22) को निज्जर की हत्या में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किए जाने के कुछ सप्ताह पहले हुई थी। इसके बाद चौथे भारतीय अमनदीप सिंह को कनाडाई अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था। भारत द्वारा आतंकवादी घोषित किए गए निज्जर की पिछले साल 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्या की जांच रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) द्वारा की जा रही है। कनाडा सरकार के एक अधिकारी ने कहा, हम पुष्टि कर सकते हैं कि सीएसआईएस के निदेशक डेविड विग्नॉल्ट ने भारत का दौरा किया, लेकिन हम बंद कमरे में हुई बैठकों की प्रकृति या विषय-वस्तु पर कोई टिप्पणी नहीं करते। उन्होंने कहा, जैसा कि मैंने कहा, जब से कनाडा को विश्वसनीय आरोपों के बारे में पता चला है, हमने निज्जर मामले पर भारत को विभिन्न माध्यमों से सभी सूचनाएं लगातार उपलब्ध कराई हैं। उन्होंने कहा, इस बात की तस्दीक प्रधानमंत्री ट्रूडो और कनाडा के लोक सुरक्षा मंत्री ने भी सार्वजनिक तौर पर की है।

क्या नये वित्त मंत्री 'अरबपति कर' के वैश्विक प्रयास का समर्थन करेंगे : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने नई सरकार के शपथग्रहण समारोह से पहले रविवार को पूछा कि क्या भारत के नये वित्त मंत्री अरबपति कर के वैश्विक प्रयास का समर्थन करेंगे और प्रधानमंत्री आम लोगों या अरबपतियों में से किसके साथ खड़े होंगे। मनोनीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को अपनी मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भाजपा-नीत सरकार पर कटाक्ष करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, इस साल, 'एक तिहाई' प्रधानमंत्री के पास यह दिखाने का मौका है कि वह आम लोगों के साथ खड़े हैं, या अरबपतियों के साथ। ब्राजील में जी20 में, ब्राजील, फ्रांस, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका और जर्मनी के वित्त मंत्रियों द्वारा समर्थित अरबपतियों पर वैश्विक न्यूनतम कर लगाने संबंधी प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। क्या भारत के अगले वित्त मंत्री 'अरबपति कर' के लिए वैश्विक प्रयास का समर्थन करेंगे।''

रमेश ने दावा किया कि दुनिया भर में, अरबपति कानूनी खामियों, विदेश स्थित संपत्ति, मुखौटा कंपनियों या अन्य योजनाओं के माध्यम से कामकाजी लोगों की तुलना में कम कर का भुगतान करने में कामयाब रहते हैं।

उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि धनी लोग अपना उचित हिस्सा अदा करें, नवंबर 2024 में ब्राजील की अध्यक्षता में जी20 में अरबपतियों पर वैश्विक न्यूनतम कर लगाने के प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि इस तरह के कर से हर साल वैश्विक स्तर पर 21 लाख करोड़ जुटाए जाएंगे, जिससे स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, आवास और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण धन उपलब्ध होगा।

रमेश ने कहा, ''इस बात पर भी गौर करें कि ब्राजील ने बिना किसी नाटक के जी-20 की अध्यक्षता संभाली है और इसका इस्तेमाल किसी दार्शनिक बकवास के लिए नहीं, बल्कि सार्थक नीति को आगे बढ़ाने के लिए किया है।

कांग्रेस नेता ने अपने पोस्ट में कहा, इसके विपरीत, 'फोटो-जीवी' नरेन्द्र मोदी ने जी20 की अध्यक्षता को किसी प्रकार की विदेश-नीति की उपलब्धि के रूप में चित्रित करने के लिए पूरे अध्यक्षता काल में भारत के हर होर्डिंग, स्कूल और पेट्रोल पंप पर अपना चेहरा चस्पा करने में बिताया। भारत की बारी पहले से तय थी और यह अपरिहार्य थी।''

निर्मला सीतारमण

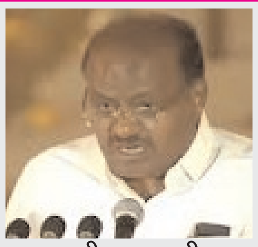
एचडी कुमारस्वामी

प्रह्लाद जोशी

वी सोमन्ना

शोभा करांदलाजे

एल मुरगन

मोदी मंत्रिपरिषद् में कर्नाटक-तमिलनाडु से इन चेहरों को किया गया शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/दक्षिण भारत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंत्रिपरिषद् में कर्नाटक और तमिलनाडु से भी नेताओं को शामिल किया गया है। इनमें निर्मला सीतारमण और प्रह्लाद जोशी जैसे बड़े नाम हैं।

निर्मला सीतारमण कर्नाटक से राज्यसभा सदस्य हैं। वे मोदी सरकार 2.0 में वित्त मंत्री रह चुकी हैं। वहीं, पिछली सरकार में संसदीय कार्य, कोयला एवं खान मंत्री रहे प्रह्लाद जोशी को एक बार फिर कैबिनेट मंत्री बनाया गया है।

इसी तरह कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी को कैबिनेट में शामिल किया गया है। मंड्या से सांसद चुने गए कुमारस्वामी ने 2,84,620 वोटों के अंतर से कांग्रेस के वेंकटरमण गौड़ा को हराया था। मोदी सरकार ने वरिष्ठ भाजपा नेता प्रह्लाद जोशी पर फिर भरोसा जताया है। उन्हें कैबिनेट मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है। जोशी कर्नाटक की धारवाड़ सीट से लोकसभा सांसद निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने 97,324 वोटों के अंतर से कांग्रेस के विनोद आसूती को शिकस्त दी थी।

मंत्रियों की इस सूची में शोभा करंदलाजे का नाम भी शामिल है, जिन्हें राज्य मंत्री की शपथ दिलाई गई है। वे लोकसभा में बेंगलूरु उत्तर सीट का प्रतिनिधित्व करेंगी। शोभा करंदलाजे ने 2,59,476 वोटों के बड़े अंतर से कांग्रेस के एमवी राजीव गौड़ा को हराया था।

मोदी सरकार में कर्नाटक से एक और चेहरे वी सोमन्ना को राज्य मंत्री की जिम्मेदारी मिली है। वरिष्ठ भाजपा नेता सोमन्ना ने 1,75,594 वोटों के अंतर से तुमकूरु सीट जीती थी। उनके सामने कांग्रेस के एसपी मुद्दाहनुमे गौड़ा थे।

तमिलनाडु से डॉ. एल मुरुगन को राज्य मंत्री बनाया गया है। नीलगिरि से भाग्य आजमाने वाले मुरुगन को चुनावी जीत तो नहीं मिली। वे 2,40,585 वोटों के अंतर से दूसरे स्थान पर रहे थे। यहां द्रमुक के ए राजा जीते थे। डॉ. मुरुगन को मंत्री बनाकर भाजपा ने कार्यकर्ताओं को यह संदेश देने की कोशिश की है कि चुनावी हार के बावजूद वह उनकी योग्यता का सम्मान करेगी। पार्टी तमिलनाडु में विस्तार के लिए पूरा जोर लगा रही है।

देवेगौड़ा ने कांग्रेस के 'अहंकार' की निंदा की, मोदी सरकार का किया समर्थन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) सुप्रीमो एवं पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने रविवार को विपक्षी कांग्रेस पार्टी के अहंकार और नकारात्मकता' की निंदा की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शपथ लेने जा रही राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के प्रति अपनी पार्टी का पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। देवेगौड़ा की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब उन्होंने जद (एस) को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व देने की पेशकश के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया और आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी के मंत्री गठबंधन की 'पूर्ण प्रतिबद्धता' के साथ सेवा करेंगे।

उनके बेटे और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच. डी. कुमारस्वामी राष्ट्रीय राजनीति में पदार्पण करेंगे और प्रधानमंत्री मोदी की नयी मंत्रिपरिषद के सदस्य के रूप में शपथ ली। पूर्व प्रधानमंत्री ने गर्मजोशी भरे शब्दों में लिखे पत्र में प्रधानमंत्री मोदी को उनके लगातार तीसरे 'ऐतिहासिक' कार्यकाल के लिए बधाई दी तथा चुनावी जीत का श्रेय प्रधानमंत्री पर ईश्वर के असाधारण 'आशीर्वाद' को दिया।

पूर्व प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री मोदी पिछले दशक की भांति उसी समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा करते रहेंगे।

उन्होंने पत्र में लिखा, यह वास्तव में एक ऐतिहासिक अवसर है। जैसा कि मैंने पहले भी कई बार कहा है, यह आप पर ईश्वर की असाधारण कृपा का परिणाम है। मुझे कोई संदेह नहीं है कि आप पर ईश्वर की कृपा बनी रहेगी और आप हमारे महान राष्ट्र की सेवा पूर्ण समर्पण के साथ करते रहेंगे, जिससे हम सभी एक दशक से परिचित हैं।

कांग्रेस के बेहतर प्रदर्शन के दावों को खारिज करते हुए देवेगौड़ा ने कहा कि विपक्षी पार्टी कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश जैसे अपने शासन वाले राज्यों में बुरी तरह से पिछड़ गई है। उन्होंने कहा कि अन्य स्थानों पर पार्टी की सफलता उनके सहयोगियों के कारण है।

पूर्व प्रधानमंत्री ने सवाल किया कि ऐसा गठबंधन कितने समय तक चलेगा। देवेगौड़ा ने स्वास्थ्य कारणों से शपथ ग्रहण समारोह में शामिल न हो पाने पर खेद व्यक्त करते हुए निमंत्रण के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि राजग सदस्य के रूप में जद(एस) समावेशी विकास के 'सबका साथ, सबका विकास' एजेंडे पर मोदी सरकार के साथ काम करने को लेकर उत्साहित है।

जश्न

रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर चिकमंगलूर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'मोदी 3.0' का जश्न मनाया।

चेन्नईयन एफसी ने नाइजीरियाई स्ट्राइकर डेनियल चीमा चुक्कू से अनुबंध किया

चेन्नई/दक्षिण भारत । चेन्नईयन एफसी ने अपने आक्रमण को मजबूत करने के लिए 2024-25 के फुटबॉल सत्र से पहले नाइजीरियाई स्ट्राइकर डेनियल चीमा चुक्कू से अनुबंध किया है। चीमा भारतीय फुटबॉल का जाना पहचाना नाम है। यह 33 वर्षीय खिलाड़ी इससे पहले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में ईस्ट बंगाल और जमशेदपुर की तरफ से खेल चुका है। उन्होंने 2022 में जमशेदपुर को आईएसएल लीग शील्ड दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। चेन्नई की टीम ने चीमा के साथ 2 साल का अनुबंध किया है। इसका मतलब है कि वह क्लब के साथ 2026 तक बने रहेंगे। चेन्नईयन ने इस सत्र में चार खिलाड़ियों से अनुबंध कर लिया है। चीमा ने आईएसएल में अभी तक 60 मैच खेले हैं जिनमें उन्होंने 20 गोल किए हैं।

केरल के दो जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी

तिरुवनंतपुरम। केरल के कई हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के कारण जारी भारी बारिश के बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को राज्य के दो जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। आईएमडी ने उत्तरी जिलों कन्नूर और कासरगोड़ में 'ऑरेंज अलर्ट', जबकि राज्य के अन्य 10 जिलों में 'येलो अलर्ट' जारी किया है। रेड अलर्ट' 24 घंटे में 20 सेंटीमीटर से अधिक यानी भारी से अत्यधिक भारी वर्षा की ओर संकेत करता है, जबकि 'ऑरेंज अलर्ट' का अर्थ 11 से 20 सेंटीमीटर तक यानी भारी वर्षा और 'येलो अलर्ट' का मतलब छह से 11 सेंटीमीटर के बीच यानी भारी वर्षा है।

नेतृत्व की उम्मीदों को ईमानदारी से पूरा करूंगा : मोदी मंत्रिमंडल में चुने जाने पर सोमन्ना ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के पूर्व मंत्री वी. सोमन्ना ने रविवार को कहा कि वह नरेन्द्र मोदी मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में पार्टी नेतृत्व की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए ईमानदारी से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें विभाग के संबंध में कोई अपेक्षा नहीं है और वह प्रधानमंत्री द्वारा उन्हें सौंपे गए विभाग में काम करेंगे। उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लोगों तक सरकार का लाभ पहुंचे।

सोमन्ना ने कहा, हमारी पार्टी ने मुझे तुमकुर से मौका दिया, मैं वहां से जीता, पार्टी ने मुझे जो अलग-अलग जिम्मेदारियां दी थीं, मैंने उन्हें बखूबी निभाया। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए हमारे राज्य और केंद्रीय नेतृत्व ने मुझे ये मौका दिया है। मैं उनका और तुमकुर की जनता तथा भाजपा और जद(एस) दोनों के कार्यकर्ताओं और नेताओं का धन्यवाद करता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद नयी दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि वह अपने 45 साल के राजनीतिक अनुभव का उपयोग करते हुए देश की जनता की सेवा करते हुए उन्हें दी गई जिम्मेदारी को ईमानदारी से पूरा करेंगे। उन्होंने कहा, मेरे सामने चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए लाभ देश के लोगों तक समान रूप से पहुंचें। सोमन्ना ने तुमकुर लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस के एस.पी. मुद्दाहनुमेगौड़ा के खिलाफ 1,75,594 वोटों के अंतर से जीत हासिल की।

प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक के बारे में पूछे जाने पर सोमन्ना ने कहा, उन्होंने (प्रधानमंत्री ने) मित्रतापूर्ण तरीके से हमसे बात की और विभिन्न विषयों पर सलाह दी तथा हमें उस इरादे की पूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में काम करने को कहा, जिसके साथ हमें मंत्री बनाया गया है। उन्होंने कहा, उन्होंने हमसे पार्टी और राजग की एकता को भी ध्यान में रखने को कहा।

भाजपा की दक्षिण में विस्तार की कोशिश : तेदेपा, जनसेना को सरकार में मिल सकती हैं अहम जिम्मेदारियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। दक्षिणी राज्यों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगियों को पुरस्कृत करने के इरादे से रविवार को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे नरेन्द्र मोदी आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के कई सांसदों को अपने मंत्रिपरिषद में शामिल करेंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि आंध्र प्रदेश से विजयी हुए तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और भाजपा के दो-दो सांसद मोदी के साथ मंत्रिपद की शपथ लेंगे। आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 25 लोकसभा सीट में से 21 पर जीत हासिल की है। राज्य में राजग के घटक के तौर पर भाजपा, तेदेपा और जनसेना ने साथ चुनाव लड़ा था। सूत्रों के मुताबिक, तीन बार के सांसद के. राम मोहन नायडू को कैबिनेट मंत्री बनाए जाने की संभावना है, जबकि पहली बार सांसद बने डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी को राज्य मंत्री बनाया जा सकता है। उद्योगपति और तेदेपा नेता जयदेव गल्ला ने दोनों नेताओं को उनके संभावित तौर पर मंत्रिमंडल में शामिल होने पर बधाई दी।

आंध्र प्रदेश में भाजपा ने तीन सीट पर जीत दर्ज की है और नवनिर्वाचित सांसद एवं पार्टी की राज्य इकाई की प्रमुख डी. पुरंदेश्वरी और नरसापुरम के सांसद भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा को मंत्री बनाए जाने की संभावना है। आंध्र प्रदेश में दो सीट पर जीत दर्ज करने वाली जनसेना को लोकसभा उपाध्यक्ष का पद मिलने की संभावना है। तेलंगाना में भाजपा को भारी सफलता मिली है और राज्य की 17 सीट में से आठ पर जीत दर्ज की है। राज्य से बंडी संजय और जी किशन रेड्डी के मंत्री पद की शपथ लेने की संभावना है।

सूत्रों ने बताया कि कर्नाटक में भाजपा के कोटे से चार सांसदों को सरकार में शामिल किए जाने की संभावना है। उन्होंने बताया कि सहयोगी जनता दल (सेक्युलर) के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी को केंद्रीय मंत्री बनाया जा सकता है। कर्नाटक में राजग को 28 में से 19 सीट मिली है। इनमें भाजपा की 17 और जनता दल (सेक्युलर) की दो सीट शामिल हैं।

रजनीकांत ने मोदी को दी बधाई

सुपरस्टार रजनीकांत ने रविवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना बड़ी उपलब्धि है और लोगों ने एक मजबूत विपक्ष सुनिश्चित किया है जो लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत है। दिल्ली रवाना होने से पहले अपने आवास में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अभिनेता ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू के बाद नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं जो एक बड़ी उपलब्धि है। बाद में, उन्होंने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, नरेन्द्र मोदी का लगातार तीसरी बार पदभार ग्रहण करना बड़ी उपलब्धि है, मैं उन्हें हार्दिक बधाई देता हूं। लोगों ने मजबूत विपक्ष चुना है जो लोकतंत्र के लिए एक अच्छा संकेत है।

आरएसएस की स्वयंसेवक रह चुकी शोभा करंदलाजे केंद्र में फिर से मंत्री बनीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की पृष्ठभूमि से आने वाली और धार्मिक चरमपंथ जैसे विवादास्पद मुद्दों पर मुखर रहीं शोभा करंदलाजे ने एक बार फिर केंद्रीय मंत्रिपरिषद में जगह हासिल की है। वह भाजपा की कर्नाटक इकाई के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येडीयुरप्पा की करीबी विश्वस्त मानी जाती हैं। तीन बार की लोकसभा सदस्य करंदलाजे (57) को 2021 में पिछली मोदी सरकार की मंत्रिपरिषद में फेरबदल के दौरान इसमें शामिल गया था। उन्होंने केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री के रूप में सेवा दी। धार्मिक चरमपंथ और 'लव जिहाद' जैसे मुद्दों पर मुखर रहने वाली करंदलाजे कर्नाटक के राजनीतिक रूप से प्रभावशाली वोक्कालिगा समुदाय से हैं।

वह बहुत कम उम्र में ही आरएसएस में शामिल हुईं और संघ परिवार की पूर्णकालिक स्वयंसेवक बन गईं। वह कर्नाटक में कैबिनेट मंत्री और प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

उन्होंने हालिया लोकसभा चुनाव में बेंगलूरु उत्तर लोकसभा सीट से कांग्रेस के एम वी राजीव गौड़ा को 2,59,476 वोट से हराया और आईटी राजधानी बेंगलुरु की पहली महिला सांसद बनीं। उन्होंने इससे पहले के दो लोकसभा चुनावों में उडुप्पी-चिक्कमगलुरु लोकसभा क्षेत्र से जीत हासिल की थी। करंदलाजे 2004 से 2008 तक विधानपरिषद सदस्य और 2008 से 2013 तक विधायक रही थीं। करंदलाजे ने एमए (समाजशास्त्र) और 'मास्टर ऑफ सोशल वर्क' की उपाधि हासिल की है।

दो बार के मुख्यमंत्री एवं अब केंद्र में मंत्री कुमारस्वामी ने दिया राजनीतिक सूझबूझ का परिचय

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के दो बार के मुख्यमंत्री और पांच बार के विधायक रहे जनता दल (सेक्युलर) नेता एच डी कुमारस्वामी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह बनाकर एक बार फिर अपनी राजनीतिक सूझबूझ का प्रदर्शन किया है। वह ऐसे समय केंद्र सरकार का हिस्सा बने हैं जब पिछले साल सितंबर में ही जद (एस), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हुई थी। जद(एस) की स्थापना 1999 में हुई थी और तब से अबतक वह अपने दम पर कर्नाटक की सत्ता में नहीं आई, लेकिन कनिष्ठ साझेदार होने के बावजूद दोनों राष्ट्रीय दलों- भाजपा और कांग्रेस, के साथ गठबंधन में दो बार सत्ता में रही।

जद (एस) फरवरी 2006 से 20 महीने तक भाजपा के साथ और मई 2018 के विधानसभा चुनावों के बाद 14 महीने तक कांग्रेस के साथ सरकार में रही और दोनों ही मौकों पर कुमारस्वामी मुख्यमंत्री रहे। जद (एस) सुप्रीमो और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के बेटे कुमारस्वामी ने भाजपा के साथ गठबंधन करके मंत्रिमंडल में जगह बनाने में ऐसे समय सफलता हासिल की है जब उनकी अपनी पार्टी अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। वोक्कालिगा नेता कुमारस्वामी (64) ने कृषि मंत्री बनने की अपनी इच्छा को छुपाया नहीं है। मांड्या लोकसभा सीट जीतकर पूर्व मुख्यमंत्री ने न केवल जद(एस) का खोया हुआ गढ़ वापस हासिल किया है, बल्कि भाजपा के साथ गठबंधन करके यह भी दर्शाया है कि पार्टी अब भी कर्नाटक में एक ताकत है। कुमारस्वामी ने कांग्रेस के वेंकटरमन गौड़ा को 2,84,620 मतों के अंतर से हराया। कुमारस्वामी जद (एस) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष भी हैं। वह पांच बार विधायक रहे हैं और हाल तक चन्नपटना विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते थे।

ऐसा कहा जाता है कि कुमारस्वामी को उम्मीद थी कि 2023 के विधानसभा चुनावों में त्रिशंकु विधानसभा आएगी और वह तीसरी बार 'किंगमेकर' या 'खुद किंग' बनकर उभरेंगे, लेकिन उनकी पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन और कांग्रेस की शानदार जीत से उनके सपने धराशायी हो गए। अपनी पार्टी को बचाए रखने और राज्य में राजनीतिक रूप से प्रासंगिक बने रहने की मजबूरी के चलते कुमारस्वामी ने लोकसभा चुनाव से पहले गठबंधन के लिए फिर से भाजपा से संपर्क किया।

भाजपा नेतृत्व ने कुमारस्वामी को तीन सीट में से एक पर चुनाव लड़ने के लिए राजी किया, जिससे उन्हें उम्मीद थी कि इससे अन्य दो सीटों पर उनकी पार्टी की संभावनाओं को बल मिलेगा और केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी को मदद मिलेगी, खासकर पुराने मैसूर क्षेत्र में, जहां उसे अपेक्षाकृत कमजोर माना जाता है। ऐसा लगता है कि यह योजना कामयाब रही, क्योंकि जद(एस) ने जिन तीन सीट पर चुनाव लड़ा था, उसमें से दो पर जीत हासिल की जबकि भाजपा ने राज्य में 25 में से 17 सीट पर जीत हासिल की। राज्य में लोकसभा की कुल 28 सीट है।

कन्नड़ अभिनेता डॉ. राजकुमार के प्रशंसक कुमारस्वामी कॉलेज के दिनों से ही सिनेमा की ओर आकर्षित थे। उन्होंने फिल्म निर्माण और वितरण का काम संभाला और कई सफल कन्नड़ फिल्में बनाईं, जिनमें उनके बेटे निखिल अभिनीत 'जगुआर' भी शामिल है। इससे पहले, 2018 के विधानसभा चुनावों से पहले कुमारस्वामी ने कहा था, ''मैं किंग बनूंगा, किंगमेकर नहीं'' और उनके शब्द भविष्यसूचक साबित हुए क्योंकि वोक्कालिगा नेता दूसरी बार मुख्यमंत्री बने, जबकि उनकी पार्टी जद(एस) चुनावों में तीसरे स्थान पर रही थी। यह कांग्रेस के साथ गठबंधन सरकार थी। लेकिन उनका कार्यकाल अल्पकालिक रहा क्योंकि उनके नेतृत्व वाली अस्थिर गठबंधन सरकार 13 महीने में ही गिर गई। कुमारस्वामी ने इससे पहले 2006 में जद(एस)-भाजपा सरकार के प्रमुख के रूप में 20 महीने तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था। राजनीतिक माहौल में पले-बढ़े कुमारस्वामी ने 1996 में कनकपुरा लोकसभा सीट जीतकर चुनावी राजनीति में कदम रखा। इसके बाद वह संसदीय और विधानसभा दोनों चुनाव हार गए। वह पहली बार 2004 में विधानसभा के लिए चुने गए। उस चुनाव में त्रिशंकु विधानसभा सामने आई और जद(एस), कांग्रेस के धरम सिंह के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में शामिल हो गई। उन्होंने 2006 में विद्रोह किया और अपने पिता की इच्छा के खिलाफ जाकर 42 विधायकों के साथ गठबंधन से बाहर यह कहते हुए चले गए कि पार्टी को खतरा है। कुमारस्वामी ने इसके बाद भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई और पहली बार मुख्यमंत्री बने। बारी-बारी से मुख्यमंत्री बनने वाली व्यवस्था के तहत, उन्होंने 20 महीने तक राज्य का नेतृत्व किया। जब भाजपा के मुख्यमंत्री पद की बारी आई तो वह सत्ता हस्तांतरण के वादे से मुकर गए और सात दिनों के भीतर बीएस येदियुरप्पा की सरकार को गिरा दिया।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2008 में भाजपा सत्ता में आई। वह 2009 में बेंगलूरु ग्रामीण से लोकसभा चुनाव जीते। कुमारस्वामी ने किसान हितैषी और ग्रामीण हितैषी कार्यक्रम, जैसे कृषि ऋण माफी और 'ग्राम वस्तु' परियोजना के तहत ग्रामीणों तक पहुंच बनाई। इसके तहत वह गांवों में जाकर उनकी समस्याओं को सुनते-समझते थे। इस कार्यक्रम ने उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान लोकप्रियता दिलाई। विज्ञान स्नातक, कुमारस्वामी की पत्नी अनीता पूर्व विधायक हैं।

डोनी नदी खतरे के निशान से ऊपर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र ने केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के एक परिपत्र का हवाला देते हुए बीजापुर में तालीकोट एचओ साइट पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही डोनी नदी के लिए एक विशेष सलाह जारी की है। डोनी नदी का मौजूदा जलस्तर 501.48 मीटर है, जो लगभग सात सेंटीमीटर प्रति घंटे की दर से बढ़ रहा है।

नदी का अब तक का अधिकतम जलस्तर 502.21 मीटर दर्ज किया गया है। इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कृष्णा जलग्रहण क्षेत्रों में अगले 72 से 84 घंटों के दौरान अत्यधिक भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की है।

बेंगलूरु के कई इलाकों में रविवार को हल्की, लेकिन तेज बारिश हुई। तटीय कर्नाटक, पश्चिमी घाट और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कुछ इलाकों में भी बारिश हुई।

तटीय कर्नाटक में भी अगले 48 घंटों के दौरान समुद्र में ऊंची लहरों के उठने की चेतावनी जारी की गई है। उत्तर कन्नड़ और उडुपी में 1.9 मीटर से 2.5 मीटर तक तथा दक्षिण कन्नड़ क्षेत्र के समुद्र तट पर में 1.7 मीटर से 2.1 मीटर तक ऊंची लहरें उठने की चेतावनी दी गई है।

उत्तर कन्नड़ जिले में 10 जून को भारी से बहुत भारी तथा कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है।

जबकि बेलगावी, गदग, धारवाड़, कोप्पल, बागलकोट, हावेरी, विजयपुरा और रायचूर जिलों में तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार) के साथ गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

जल भराव

रविवार को दोपहर में शहर में हुई बारिश के दौरान बेंगलूरु में बन्नेरघट्टा रोड पर पानी भर गया।

हर घर में नल से पहुंचेगा भरपूर जल : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में जल जीवन मिशन के तहत सभी घरों को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाना सरकार का लक्ष्य है। इसके लिए प्रतिदिन के कार्यों का निर्धारण करते हुए अधिक से अधिक घरेलू नल कनेक्शन प्रदान करने की गति को बढ़ाया जाए ताकि राजस्थान जल जीवन मिशन में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो सके। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय जल जीवन मिशन में अनियमितता हुई है। जिससे इस योजना को लेकर आमजन के बीच भ्रांतियां बन गई हैं। इसके लिए दूरदराज और दुर्गम क्षेत्रों के लिए विशेष रणनीति बनाकर कार्य पूरे किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना में आगे किए जाने वाले कार्यों में पानी का स्रोत पहले पता किया जाए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि पानी के स्रोत की व्यवस्था किस प्रकार की जाती है। इसलिए ईआरसीपी, ताजेवाला हैड, आईजीएनपी या भूजल आदि पर ध्यान केन्द्रित करते हुए पानी के स्रोत का निर्धारण किया जाए। साथ ही, पुराने कार्यों की समीक्षा की जाए और गड़बड़ी वाले कार्यों को चिन्हित करते हुए सख्त कार्यवाही की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि पानी की टंकियों में वाटर सप्लाई की स्थिति की सर्वे रिपोर्ट तैयार की जाए। पाइपलाइनों की गुणवत्ता व गहराई तथा ट्यूबवेल्स में विद्युत कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में खोदी गई सड़कों की मरम्मत सुनिश्चित की जाए।

शर्मा ने निर्देश दिए कि पाइप पॉलिसी, ओएंडएम पॉलिसी 20 जून तक तैयार कर ली जाए। साथ ही, उन्होंने कहा कि बीएसआर में भी आवश्यकता के अनुरूप परिवर्तन कर संशोधित पॉलिसी जारी की जाए। टेण्डर प्रक्रिया में पूर्ण रूप से पारदर्शिता एवं अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने काम की गुणवत्ता के आधार पर संवेदकों को नियमित रूप से भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश ि

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन के लिए राज्य सरकार हर संभव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए सकारात्मक है। उन्होंने मानव संसाधन एवं वित्तीय प्रावधानों को लेकर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही, वृहद परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने 19 हजार 152 करोड़ रुपए की लागत की निविदाओं की कार्यवाही को आगामी दिनों में पूरा करते हुए इनके वर्क-ऑर्डर जारी करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने 26 हजार 819 करोड़ रुपए के 18 पैकेजेज के संबंध में निविदा आमंत्रित करने की प्रक्रिया भी शीघ्र पूरी करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने जारी नल कनेक्शन के प्रमाणन की प्रक्रिया को तेज करने एवं जल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने शिकायतों के समाधान के लिए सुदृढ़ प्रणाली विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सोलर एनर्जी आधारित विद्युत आपूर्ति व्यवस्था का अधिक उपयोग को बढ़ावा दिया जाए।

बैठक में जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (जल संसाधन) अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता, शासन सचिव (जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी) डॉ. समित शर्मा सहित मुख्यमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

हत्या का दोषी हमले में हुआ घायल, अस्पताल में भर्ती

कोटा। हत्या के मामले में यहां की एक खुली जेल में उम्र कैद की सजा काट रहे एक कुख्यात अपराधी पर अज्ञात हमलावरों ने कथित तौर पर गोलीबारी की। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शामी नियामत (35) सुबह करीब सात बजे अपनी एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) को दादाबाड़ी इलाके में खड़ी कर घर जा रहा था, तभी यह हमला हुआ।

कोटा केंद्रीय जेल के अधीक्षक राजेंद्र बैरवा के अनुसार, खुली जेल नियमों के तहत नियामत प्रत्येक दिन सुबह घर के लिए रवाना होता था और शाम में जेल लौट आता था। दादाबाड़ी पुलिस थाने के क्षेत्राधिकारी नरेश कुमार ने कहा कि तीन अज्ञात हमलावर नियामत के सामने से आये थे। उन्होंने नियामत पर गोली चलाई जो उसके कंधे में लगी। साथ ही, दो अन्य हमलावरों ने उस पर पीछे से धारदार हथियारों से हमला किया।

कुमार ने बताया कि हमले के बाद हमलावर मौके से भाग गए। उनकी तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि घायल दोषी का एमबीएस अस्पताल में इलाज चल रहा है और वह खतरे से बाहर है।

सौ करोड़ रुपये से विकसित होगा महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट : भजनलाल शर्मा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कहा कि महाराणा प्रताप के संदेश को पूरी दुनिया तक पहुंचाना हमारी सरकार का लक्ष्य है और इस दिशा में 100 करोड़ रुपये की लागत से महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकसित किया जा रहा है। शर्मा ने उदयपुर में महाराणा प्रताप जयंती समारोह का उद्घाटन करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा, महाराणा प्रताप न केवल राजस्थान और भारत अपितु पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। उनकी वीरता, शौर्य और देशभक्ति को काल और भौगोलिक सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता है। महाराणा प्रताप के जीवन से विषम परिस्थितियों में भी पीछे नहीं हटने तथा सदैव, सत्य, धर्म और राष्ट्रहित के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है।

शर्मा ने कहा, महाराणा प्रताप के संदेश को पूरी दुनिया तक पहुंचाना हमारी सरकार का लक्ष्य है और इस दिशा में 100 करोड़ रुपये की लागत से महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकसित किया जा रहा है।

आधिकारिक बयान के अनुसार कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सहसरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल ने कहा कि आज आप, संस्कृति, सभ्यता और धर्म रक्षित हैं तो उसका कारण यही है कि महाराणा प्रताप जैसे महापुरुष हुए जो अपना राज्य बचाने के लिए ही नहीं बल्कि धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए लड़े। मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रताप गौरव केंद्र परिसर स्थित पद्मिनी सभागार में महाराणा प्रताप को समर्पित चित्र प्रदर्शनी की शुरुआत की।

18 साल की उम्र में गोद लेना वैध नहीं, हाई कोर्ट का अनुकंपा पर नौकरी से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान होई कोर्ट ने दत्तक पुत्र से जुड़े एक मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। दरअसल, कोर्ट के समक्ष एक ऐसा मामला आया जो अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति से जुड़ा था। याचिकाकर्ता एक दत्तक पुत्र है, जिसे 18 साल की आयु में गोद लिया गया था। राजस्थान हाई कोर्ट ने एक दत्तक पुत्र को अनुकंपा पर नियुक्ति देने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि 18 साल की आयु में किसी को गोद लेना वैध नहीं माना जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि ऐसा करना हिंदू दत्तक ग्रहण और भरण-पोषण अधिनियम, 1956 की धारा 10(4) के तहत वैध नहीं ठहराया जा सकता है।

राजस्थान हाई कोर्ट की जोधपुर पीठ ने एक दत्तक पुत्र (याचिकाकर्ता) द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने अपने पिता की मौत के बाद अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति देने की मांग की थी।

उसके पिता एक सरकारी कर्मचारी थे। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में उन अधिकारियों के फैसले को बरकरार रखा, जिन्होंने कथित रूप से अवैध गोद लेने के दस्तावेज के आधार पर बेटे के आवेदन को खारिज कर दिया था। जस्टिस अरुण मोंगा की एकल पीठ ने कहा कि इस मामले में याचिकाकर्ता के प्रमाण पत्र से पता चलता है कि 13 दिसंबर 2013 को गोद लेने के समय उसकी आयु 18 वर्ष थी। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता का मामला यह भी नहीं है कि किसी विशेष रिवाज के तहत बच्चे को उसकी उम्र की परवाह किए बिना गोद लेने की अनुमति देता है।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील जेएस भालेरिया ने पीठ से कहा कि पिता की मृत्यु के बाद अनुकंपा नियुक्ति के लिए याचिकाकर्ता ने निर्धारित समय के अंदर आवेदन प्रस्तुत कर दिया था, इसके बावजूद उसके आवेदन को खारिज कर दिया गया। वहीं, प्रतिवादी की ओर से पेश वकील श्रवण कुमार ने कहा कि याचिकाकर्ता को मृतक के सेवा रिकॉर्ड में नामांकित व्यक्ति के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया गया था। साथ ही हिंदू दत्तक ग्रहण और रखरखाव अधिनियम, 1956 की धारा 10 (4) का हवाला दिया गया था। इस प्रावधान के अनुसार गोद लेने को कानूनी नहीं माना जा सकता, क्योंकि गोद लेने के समय याचिकाकर्ता की उम्र 15 साल से अधिक थी। याचिकाकर्ता ने अपने पक्ष में मोहन सिंह भाटी बनाम राजस्थान राज्य का फैसला प्रस्तुत किया, जिसमें कोर्ट ने समान परिस्थितियों में याचिकाकर्ता के पक्ष में फैसला सुनाया था।

उक्त निर्णय अधिनियम की धारा 16 पर आधारित था, जिसमें मृतक के सेवा रिकॉर्ड में नामांकित व्यक्ति के रूप में सूचीबद्ध होना जरूरी होता है।

हाई कोर्ट ने कहा कि गोद लेने के समय याचिकाकर्ता 18 वर्ष का था। जबकि 15 वर्ष से अधिक उम्र के बाद गोद लेने की अनुमति देने वाली कोई विशेष प्रथा नहीं है। कोर्ट ने माना कि याचिकाकर्ता का गोद लेना अनुकंपा नियुक्ति का दावा करने के लिए वैधानिक जरूरतों को पूरा नहीं करता है। इसके बाद हाई कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी।

लोकार्पण

राज्यपाल कलराज मिश्र ने रविवार को जयपुर में प्रताप नगर में एस.आर.के.डायग्नोस्टिक सेंटर का लोकार्पण किया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत जांच के अत्याधुनिक उपकरणों के साथ स्थापित सेंटर द्वारा जन हित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करने का आह्वान किया।

सीकर जिले में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के सीकर जिले में शनिवार देर रात भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार देर रात 11 बजकर 45 मिनट पर सीकर जिले में विभिन्न स्थानों पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.9 दर्ज की गई । भूकंप के झटकों से लोग घरों से बाहर निकल आये। जिले के खाटूश्याम, रींगस, दांतारामगढ़ सहित कई क्षेत्रों में भूकंप के झटके महसूस होने के समाचार मिले हैं। भूकंप से जान माल एवं अन्य किसी नुकसान होने की कोई सूचना नहीं है।

बिजली की बढ़ती मांग के अनुरूप विद्युत तंत्र को बनाएं मजबूत : नागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि बिजली की बढ़ती मांग के अनुरूप निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उत्पादन, प्रसारण एवं वितरण तंत्र को मजबूत बनाया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि विद्युत तंत्र को सुदृढ करने के लिए अधिकारी भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए पुख्ता प्लान तैयार करें जिससे उपभोक्ताओं को सतत बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने स्वीकृत ग्रिड सब स्टेशनों के कार्य में देरी को गंभीरता से लेते हुए समय पर कार्य नहीं करने वाले संवेदकों को ब्लैक लिस्ट करने के निर्देश दिए।

ऊर्जा मंत्री रविवार को भरतपुर में जयपुर विद्युत वितरण निगम के संभागीय मुख्य अभियंता कार्यालय में संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। बैठक में गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम, वैर विधायक बहादुर सिंह कोली, बयाना विधायक रितु बानावत सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ऊर्जा विभाग के संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के विजन के अनुसार अधिकारी विद्युत उत्पादन, प्रसारण व वितरण तंत्र में सुधार लाते हुए आमजन को सरकार की मंशा के अनुरूप निर्बाध विद्युत आपूर्ति करना सुनिश्चित करें तथा आम नागरिकों की समस्याओं का समय पर त्वरित समाधान करें। उन्होंने कहा कि डिमांड के अनुसार अधिकारी नए विद्युत सब स्टेशन निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार कर उन्हें समय पर पूरा करायें। उन्होंने आरडीएसएस योजना में सेग्रीगेशन कर नए फीडर प्रस्तावित करने तथा जो भी जीएसएस स्वीकृत हैं उनका काम निर्धारित समय अवधि में गुणवत्ता के साथ पूरा कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जो भी संवेदक समय पर काम पूरा नहीं करता हो उन्हें चिन्हित कर ब्लैक लिस्ट की कार्रवाई की जाये। साथ ही समय पर काम पूरा नहीं करने वाले संवेदकों को नये टेंडरों में भाग लेने से डिबार किया जाए।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बिजली आमजन से जुड़ी मूलभूत आवश्यकता है। ऐसे में अधिकारी संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों से संवाद बनाए रखकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि फील्ड में जो भी अधिकारी फोन नहीं उठाएंगे इसे गम्भीरता से लिया जाकर उन्हें चिन्हित कर नोटिस की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि संसाधनों की कमी नहीं है अधिकारी पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, पुराने हो चुके फीडरों को चिन्हित कर लोड बढ़ाने के लिए आवश्यक उपाय करें। उन्होंने नई विद्युत लाइन खड़ी करते समय पोल की गुणवत्ता की जांच के लिए समय-समय पर टीम भेजकर जांच करवाने तथा आंधी तूफान से प्रभावित क्षेत्रों में पोल गाडते समय सीसी एस्टीमेट का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पोल अथवा विद्युत लाइन की कमी के कारण फाल्ट नहीं आना चाहिए तथा क्षेत्र में दुर्घटना नहीं होनी चाहिए। उन्होंने नवीन स्वीकृत जीएसएस के साथ-साथ वर्तमान में लोड के अनुसार फिजिबिलिटी चेक कर उत्पादन क्षमता बढ़ाने के निर्देश दिए।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि किसानों एवं आम लोगों को कुसुम सी योजना में ज्यादा से ज्यादा भाग लेने के लिए प्रेरित करें। योजना के क्रियानवयन में सरकार द्वारा जो भी सरलीकरण किया गया हैं उनका प्रचार प्रसार करें। सोलर पर विद्युत सब स्टेशन निर्भर रहेंगे तो आने वाले समय में किसानों एवं उपभोक्ताओं को दिन में पर्याप्त बिजली आपूर्ति हो सकेगी। उन्होंने कहा कि किसान सोलर सिस्टम को अपनाएं। इसके लिए भी सरकार द्वारा उठाए गए सुधारात्मक कदमों की जानकारी उन्हें दें।

ऊर्जा मंत्री ने भरतपुर शहर में बार-बार विद्युत कटौती एवं भार के अनुसार विद्युत वितरण में सुधार नहीं करने पर भरतपुर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई लिमिटेड कंपनी के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि विद्युत की मांग के अनुसार आवश्यक संसाधनों का विस्तार करें। उन्होंने विद्युत निगम के अधिकारियों को फ्रेंचाइजी कम्पनी द्वारा पिछले 8 साल में वितरण व्यवस्था में सुधार के लिए किए गए इन्वेस्ट की ऑडिट करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की बिजली संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए कॉल सेंटर की व्यवस्था को प्रभावी बनाएं उनके माध्यम से क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था में व्यवधान की जानकारी मिलने पर समय पर दुरुस्त कराई जाये।

कुछ हिस्सों में बारिश से तापमान में गिरावट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कुछ हिस्सों में पिछले 24 घंटों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई वहीं अधिकांश स्थानों पर अधिकतम और न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटों के दौरान जैसलमेर में 28.2 मिलीमीटर, उदयपुर में 25.3 मिमी, प्रतापगढ के छोटी सादडी में 23 मिमीटर, उदयपुर के सराडा में 22 मिमी, चित्तौडगढ़ के निम्बाहेडा में 20 मिमी, रेलमगरा में 16 मिमी, राजसमंद के हुरडा में 13 मिमी और अन्य कई स्थानों पर 10 मिमी से एक मिमी तक बारिश दर्ज की गई।बीते कई दिनों से भीषण गर्मी झेल रहे राजस्थान को राहत मिल गई है। प्रदेश के कुछ हिस्सों में पिछले 24 घंटों के दौरान हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई वहीं अधिकांश स्थानों पर अधिकतम और न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने प्रदेश के लोगों को एक और राहतभरी खबर दी है। विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में राजस्थान के कई जिलों में तेज हवाओं के साथ आंधी चलने की संभावना है। इसके बाद तापमान में तेजी से गिरावट देखने को मिलेगी।

मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटों के दौरान जैसलमेर में 28.2 मिलीमीटर, उदयपुर में 25.3 मिमी, प्रतापगढ के छोटी सादडी में 23 मिमीटर, उदयपुर के सराडा में 22 मिमी, चित्तौडगढ़ के निम्बाहेडा में 20 मिमी, रेलमगरा में 16 मिमी, राजसमंद के हुरडा में 13 मिमी और अन्य कई स्थानों पर 10 मिमी से एक मिमी तक बारिश दर्ज की गई। बारिश के बाद हवाओं ने प्रदेश के तापमान में कमी दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, बारिश के साथ चली तेज हवाओं के कारण प्रदेश के लोगों को राहत मिली है।

भारतीय मौसम विभाग के अनुसार राज्य में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के प्रभाव से बारिश-आंधी और ओलावृष्टि से गंगानगर, बीकानेर, फलोदी, कोटा, सीकर, जैसलमेर, चूरू समेत कई शहरों का तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। जयपुर मौसम केन्द्र के प्रभारी राधेश्याम शर्मा ने बताया कि आगामी दिनों में राज्य के दक्षिण-पूर्वी हिस्सों के कोटा, उदयपुर, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा और झालावाड़ में आंधी के साथ बारिश होने का अनुमान है।

घर में घुसकर युवक की निर्मम हत्या से हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बूंदी। जिले के दबलाना क्षेत्र में युवक की निर्मल हत्या करने का मामला सामने आया है। हत्या की घटना के बाद हड़कंप मच गया। युवक की हत्या उसके घर में घुसकर की, आरोपी ने युवक की गर्दन पर कुल्हाड़ी से वार कर मौत के घाट उतार दिया। प्रथम दृष्टिया प्रेम प्रसंग के चलते युवक की हत्या की जाने की जानकारी पुलिस को लगी है।

पुलिस को मृतक की पत्नी पर भी शक है जिससे पूछताछ की जा रही है। घटना की सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमा शर्मा, हिंडोली डीएसपी घनश्याम मीणा, थाना अधिकारी मनोज सिकरवार मय जाप्ते के मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। मौके पर कोटा से एफएसएल व एमओबी टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए हैं। दबलाना पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच पड़ताल पूरी करने के बाद शव का हिंडोली अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया गया और परिजनों को सपोर्ट कर दिया गया है। एसपी हनुमान प्रसाद मीना ने बताया की देर रात्रि के बीच दबलाना थाना क्षेत्र के मेंडी ग्राम पंचायत के नरसिंहपुर गांव में राजू उर्फ राजेंद्र गुर्जर (35) पुत्र श्योजी गुर्जर की कुल्हाड़ी से गले पर हमला कर मौत के घाट उतार दिया। घटना की जानकारी पुलिस को सुबह लगी। इस पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना कर क्राइम सीन को देखा और घटना से जुड़े साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर हिंडोली अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। जिसका पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मामले में अनुसंधान किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार मृतक की पत्नी भी पुलिस को शक है, जिससे पूछताछ की जा रही है। मृतक ट्रैक्टर चलाता था, जो शनिवार रात्रि को करीब भोजन करके सो गया था।

इस मामले में साथ में सो रही पत्नी घटना के समय कहा थी, इस मामले के पूछताछ लगातार की जा रही है। मृतक के माता-पिता व तीन भाई एक ही जगह पर अलग-अलग मकान में रहते हैं। घटना हुई तो एकदम से किसी को पता नहीं लगा। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक की पत्नी ने काछोला निवासी एक युवक को भाई बना रखा था, जिसे करीब 8 दिन पूर्व महिला के साथ देखे जाने को लेकर पति पत्नी के बीच विवाद चल रहा था जिसके बाद से ही दोनों में झगड़ा चल रहा था। फिलहाल पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।

पेपर लीक मामले में तीन महिला एसआई सहित सात लोग गिरफ्तार

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) की टीम ने उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा-2021 के प्रश्नपत्र लीक मामले में तीन महिला प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों (एसआई) समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। महिला प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों को राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) और जोधपुर के मंडोर प्रशिक्षण केंद्र से गिरफ्तार किया गया।

अतिरिक्त महानिदेशक (एसओजी) वीके सिंह ने एक बयान में कहा कि टीम ने उस स्कूल के संचालक दिनेश सिंह चौहान को गिरफ्तार किया जहां एसआई भर्ती-2021 का पेपर हुआ था। पेपर नरेश दान चारण और प्रवीण कुमार ने हल किया। पेपर की व्यवस्था पौरव कलेर ने की थी। परीक्षा देने वाली तीन प्रशिक्षु उप-निरीक्षकों मनीषा सिहाग, अंकिता गोदारा और प्रभा बिश्नोई को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि एसओजी को कुछ समय पहले इन तीनों अभ्यर्थियों के बारे में शिकायत मिली थी। एसओजी टीम तीनों पर नजर रख रही थी और राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) से इनका रिकॉर्ड मांगा गया था।

एसओजी की टीम दो अप्रैल को राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) पहुंची थी जहां आरोपियों से पूछताछ की गई जिसके बाद 15 प्रशिक्षु एसआई को हिरासत में लिया गया और एसओजी मुख्यालय लाया गया।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की मोदी मंत्रिमंडल में वापसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में चार साल से अधिक समय तक नेतृत्व करने के बाद जे.पी. नड्डा की रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंत्रिमंडल में वापसी हुई।

नड्डा (63) ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली और भाजपा नीत सरकार में हिमाचल प्रदेश से एकमात्र प्रतिनिधि बन गए। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि उन्हें कौन सा मंत्रालय सौंपा जाएगा। उन्होंने नौ नवंबर 2014 से 30 मई 2019 तक मोदी के पहले कार्यकाल में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के रूप में कार्य किया था। कानून की उपाधि धारण करने वाले नड्डा ने अपनी राजनीतिक करियर की शुरूआत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की छात्र शाखा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से शुरू की थी। वह 1991 में भाजपा की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के अध्यक्ष बने। उन्होंने भाजपा में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। बिहार से लेकर उत्तर प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र और पंजाब सहित कई राज्यों में पार्टी के चुनाव अभियान का नेतृत्व किया। नड्डा ने अपने गृह राज्य हिमाचल प्रदेश में भाजपा की सरकारों में मंत्री

के रूप में भी कार्य किया। वह 2012 में राज्यसभा के लिए चुने गए और 2014 में जब अमित शाह ने पार्टी अध्यक्ष का पद संभाला तो उन्हें भाजपा संसदीय बोर्ड का सदस्य बनाया गया। लोकसभा चुनाव-2019 के बाद नड्डा को भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। बाद में जनवरी 2020 में तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष अमित शाह को केंद्रीय गृह मंत्री बनाए जाने के बाद उन्हें भाजपा अध्यक्ष के पद पर पदोन्नत किया गया। नड्डा ने ऐसे समय में भाजपा की कमान संभाली जब पार्टी कई राज्यों में विधानसभा चुनावों में एकजुट विपक्ष से कड़ी चुनौतियों का सामना कर रही थी और ऐसे संकेत मिल रहे थे कि उसे अपनी चुनावी रणनीति पर फिर से काम करने की जरूरत है। लोकसभा चुनाव-2019 में भारी जीत के बावजूद भाजपा को 2018 के बाद से कई विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा, सिवाय हरियाणा के जहां उसने जननायक जनता पार्टी के साथ गठबंधन सरकार बनाई। नड्डा की निगरानी में भाजपा ने नए सहयोगी बनाए और विधानसभा चुनावों में प्रभावशाली जीत दर्ज की। भाजपा अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान पार्टी ने अपने गढ़ों को मजबूत किया और कुछ मौकों पर मिली असफलताओं के बावजूद अपने प्रभाव का विस्तार किया। नड्डा का जून में कार्यकाल समाप्त हो रहा है। हिमाचल प्रदेश के इस सुर्खियों से दूर रहने वाले नेता को एक और प्रभावशाली लोकसभा चुनाव जीत हासिल करने के साथ अपने कार्यकाल का समापन करना था लेकिन हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में भाजपा बहुमत के आंकड़े 272 को छू न सकी।

बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर झारखंड के राज्यपाल और मुख्यमंत्री सोरेन ने की श्रद्धांजलि अर्पित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने रविवार को आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनका त्याग और बलिदान से भरा जीवन राष्ट्र सेवा का अद्वितीय उदाहरण है।

नेताओं ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से बहुत पहले ब्रिटिश सेना के खिलाफ लड़ाई में 'धरती आबा' (भूमि के पिता) द्वारा दिखाया गया साहस और वीरता अनुकरणीय है। बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड में हुआ था। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ आदिवासी विद्रोह का नेतृत्व किया था और नौ जून 1900 को हिरासत में उनकी मौत हो गई थी। राधाकृष्णन ने पोस्ट में कहा, ''देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महान स्वतंत्रता सेनानी एवं जननायक भगवान बिरसा मुंडा जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। महान क्रांतिकारी, धरती आबा, जनजातीय गौरव, भगवान बिरसा मुंडा जी का त्यागमय जीवन राष्ट्र सेवा का अद्वितीय उदाहरण हैं।'' उन्होंने कहा, ''मातृभूमि की रक्षा के लिए उनका अटूट साहस और संघर्ष हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा।''

राधाकृष्णन ने राजभवन, बिरसा मुंडा स्मारक उद्यान एवं संग्रहालय, बिरसा चौक और कोकर स्मारक पर स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। चंपई सोरेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर की गई पोस्ट में कहा, ''भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन के साथ धरती आबा को नमन करने का सौभाग्य मिला। अंग्रेजों के जुल्म, शोषण एवं अत्याचार के विरुद्ध 'उलगुलान' करने वाले धरती आबा के आदर्श आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्रभक्ति एवं अन्याय के खिलाफ संघर्ष की राह दिखाते रहेंगे।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''ब्रिटिश हुकूमत की जड़ों को झकझोरने वाले, जल-जंगल- जमीन की रक्षा के लिए उलगुलान करने वाले, हम सभी के आदर्श, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी के बलिदान दिवस पर उन्हें शत् शत् नमन।'' उन्होंने कहा, ''हमारी सरकार आपके आदर्शों और 'अबुआ दिशोम', अबुआ राज की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रयासरत है।''

राजग सरकार शपथ ले रही है, मोदी सरकार नहीं: मनोज झा

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता मनोज झा ने रविवार को कहा कि इस बार राष्ट्रीय जनता दल (राजग) सरकार शपथ ले रही है न कि ''मोदी सरकार।'' उन्होंने उम्मीद जतायी कि सत्तारूढ़ सरकार रोजगार उपलब्ध कराने जैसे मुद्दों पर काम करेगी। झा ने यह भी कहा कि राजद शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं होगा और कांग्रेस प्रमुख एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे 'इंडिया' गठबंधन का प्रतिनिधित्व करेंगे।

नरेन्द्र मोदी रविवार को अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार शपथ लेंगे। झा ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''राजग सरकार आज शपथ ले रही है...लंबे समय के बाद, यह मोदी सरकार नहीं, राजग सरकार है।'' राजद नेता ने कहा, हमें उम्मीद है कि इस बार समाज में ध्रुवीकरण कम होगा, कमजोर वर्गों के जीवन में सुधार होगा और सरकार साठगांठ वाले पूंजीवाद से मुक्त होगी। आज युवाओं की सबसे बड़ी जरूरत रोजगार है, इसलिए रोजगार एक बड़ा मुद्दा है, उन्हें इस पर काम करना चाहिए। राज्यसभा सदस्य झा ने चुनाव प्रचार को लेकर भी भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा, प्रचार के दौरान इसने 'भैंस' से लेकर 'मंगलसूत्र' और 'मुजरा' तक का उल्लेख किया। मुझे उम्मीद है कि वह अपने रवैये में सुधार करेगी। लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान गुजरात के बनासकांठा में एक रैली में मोदी ने चेतावनी दी थी कि कांग्रेस लोगों की भैंसें छीन लेगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक अन्य रैली में कहा था कि अगर कांग्रेस केंद्र में सत्ता में आयी तो वह सुहागिनों का 'मंगलसूत्र' छीन लेगी। बिहार के पटना में एक रैली में मोदी ने विपक्ष पर वोट के लिए 'मुजरा' करने का आरोप लगाया था।

ओडिशा में पहली भाजपा सरकार का शपथग्रहण समारोह 12 जून को

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में पहली भाजपा सरकार के शपथग्रहण समारोह की तारीख 10 जून की जगह 12 जून कर दी गई है। पार्टी नेता जतिन मोहंती और विजयपाल सिंह तोमर ने रविवार को इसकी पुष्टि की। मोहंती ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की व्यस्तता के कारण कार्यक्रम स्थगित किया गया है। मोदी रविवार को अपने शपथग्रहण समारोह में व्यस्त रहेंगे और अगले दिन पार्टी सांसदों से मिलेंगे। इसके अलावा, नवनिर्वाचित सदस्यों की पहली विधायक दल की बैठक अब 11 जून को तय की गई है।

चुनाव प्रचार के दौरान मोदी ने कहा था कि ओडिशा की पहली भाजपा सरकार 10 जून को शपथ लेगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल ने भी शनिवार को इसकी पुष्टि की थी। पार्टी सूत्रों ने हालांकि बताया कि तारीख बदलने का फैसला रविवार को लिया गया। इस बीच, नए मुख्यमंत्री को लेकर अब भी रहस्य बना हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा के वरिष्ठ नेता और नवनिर्वाचित विधायक सुरेश पुजारी नई दिल्ली पहुंचे, जिससे अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह शीर्ष पद के प्रमुख दावेदारों में से एक हो सकते हैं। पुजारी 2019 के चुनाव में बरगढ़ से लोकसभा के लिए चुने गए थे। उन्होंने हाल ही में ब्रजराजनगर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीता।

भाजपा कार्यकर्ता के रूप में काम करता रहूंगा : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के नये मंत्रियों की सूची में अपना नाम नहीं होने के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को कहा कि वह पार्टी कार्यकर्ता के रूप में काम करते रहेंगे और भारत को एक विकसित देश बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने में योगदान देंगे।

ठाकुर ने मोदी और उनके ''मंत्रियों की टीम'' को बधाई दी और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राजग सरकार में जिन लोगों को मंत्री पद के लिए चुना गया है, वे ''बहुत सक्षम'' हैं। निवर्तमान सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा कि वे देश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए ''हर संभव प्रयास'' करेंगे। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में ठाकुर हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से संसद के निचले सदन के लिए पुनः निर्वाचित हुए हैं।

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें हिमाचल प्रदेश में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलेगी, इस पर ठाकुर ने यहां पत्रकारों से कहा, ''मैं पहले पार्टी का कार्यकर्ता हूं। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर की जनता ने मुझे लगातार पांचवीं बार लोकसभा के लिए चुना है। पांचवीं बार लोकसभा के लिए चुना जाना अपने आप में बहुत बड़ा सम्मान है।''

ठाकुर ने कहा, ''भाजपा ने मुझे पांच बार लोकसभा चुनाव लड़ने का मौका दिया है। मेरे लिए इससे बड़ा अवसर कोई और नहीं हो सकता।'' उन्होंने कहा, ''मैंने पहले भी पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर काम किया है और आगे भी पार्टी कार्यकर्ता के तौर पर काम करता रहूंगा। हमारा पूरा प्रयास भारत को प्रगति के पथ पर ले जाना है। हम सब साथ-साथ चलेंगे क्योंकि भारत महत्वपूर्ण है, मोदी सरकार महत्वपूर्ण है और देश की प्रगति महत्वपूर्ण है।'' ठाकुर ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि मनोनीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश नई ऊंचाइयों को छुएगा और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तथा विकसित देश बनेगा।

ओडिशा में बीजद की हार के बाद पांडियन ने सक्रिय राजनीति से संन्यास लिया

भुवनेश्वर/भाषा। पूर्व नौकरशाह वी. के. पांडियन ने राजनीति में आने के ठीक छह महीने और 13 दिन बाद, सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने की रविवार को घोषणा की और कहा कि वह ओडिशा को अपने दिल में तथा 'गुरु नवीन बाबू' को अपनी सांसों में रखेंगे। पांडियन ने एक वीडियो संदेश में कहा कि राजनीति में आने का उनका एकमात्र मकसद नवीन पटनायक की सहायता करना था और यही कारण है कि उन्होंने 2024 का चुनाव नहीं लड़ा।

पांडियन ने चुनावों में हार के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराये जाने की स्थिति में लोगों, बीजू जनता दल (बीजद) नेताओं व कार्यकर्ताओं से माफी भी मांगी। उन्होंने कहा, ''राजनीति में आने का मेरा एकमात्र मकसद नवीन बाबू की सहायता करना था। अब मैंने सक्रिय राजनीति छोड़ने का फैसला किया है। यदि इस सफर में मैंने किसी को कोई ठेस पहुंचाई हो, तो मुझे माफ कर दें। यदि मेरे खिलाफ विमर्श ने बीजद की हार में कोई भूमिका निभाई है, तो मुझे खेद है।''

चुनाव प्रचार के दौरान पांडियन ने कहा था कि अगर पार्टी अध्यक्ष पटनायक विधानसभा चुनाव के बाद लगातार छठी बार ओडिशा के मुख्यमंत्री नहीं बने, तो वह (पांडियन) राजनीति छोड़ देंगे।

पांडियन ने झाड़सुगुडा जिले के ब्रजराजनगर में एक रैली में घोषणा की थी, ''आप (भाजपा) कहते हैं कि ओडिशा में भाजपा की लहर है और परिवर्तन की लहर है, लेकिन मैं दृढ़ता से कहता हूं कि अगर मुख्यमंत्री (पटनायक) एक बार फिर मुख्यमंत्री नहीं बने तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा।''

विदेश मंत्री के रूप में जयशंकर ने एक मुखर विदेश नीति दृष्टिकोण तैयार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मई 2019 में जब एस. जयशंकर भारत के विदेश मंत्री बने, तो विदेश नीति पर उनकी निर्विवाद महारत के बावजूद उन्हें बड़े पैमाने पर राजनीतिक रूप से उतना मजबूत नहीं माना जाता था। पिछले पांच वर्षों के दौरान, वह न केवल उस धारणा को दूर करने में सफल रहे, बल्कि विश्वसनीयता के साथ खुद को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में स्थापित किया है, जिसने विभिन्न भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपटते हुए एक दृढ़ विदेश नीति तैयार की है।

जयशंकर (69) का राजनयिक करियर चार दशकों तक फैला है। उन्होंने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंत्रिमंडल के सदस्य के रूप में शपथ ली। यदि वह विदेश मंत्रालय का कार्यभार फिर संभालते हैं तो उनका तात्कालिक ध्यान तीन बिंदुओं पर रहेगा: सीमा पर चीन की धमकाने वाली रणनीति से उत्पन्न चुनौतियों, पश्चिम एशिया में चल रही स्थिति और यूक्रेन में संघर्ष के मद्देनजर भारत के हितों की रक्षा करना। अपनी असाधारण कुशाग्रता और कार्यकुशलता के लिए जाने जाने वाले विदेश मंत्री ने भारत में, विशेषकर युवाओं से, प्रशंसा अर्जित की है, मुख्यतः भारत की विदेश नीति प्राथमिकताओं के बारे में अपनी निर्णायक कार्यशैली के लिए।

सार्वजनिक भाषणों और साक्षात्कारों के उनके कुछ वीडियो विभिन्न ऑनलाइन मंचों पर बहुत लोकप्रिय हुए हैं। मोदी के प्रबल समर्थक जयशंकर ने विदेश मंत्री के रूप में वैश्विक मंच पर अनेक जटिल मुद्दों पर भारत की स्थिति को

स्पष्ट रूप से व्यक्त करने की अपनी क्षमता का आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन किया। यूक्रेन में युद्ध के मद्देनजर मास्को से नई दिल्ली द्वारा कच्चे तेल की खरीद पर पश्चिमी आलोचना को कम करने से लेकर आक्रामक चीन से निपटने के लिए एक दृढ़ नीति वाला दृष्टिकोण अपनाने तक जयशंकर का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है।

उन्हें विदेश नीति के मामलों को घरेलू चर्चा में लाने का श्रेय भी दिया जाता है, विशेष रूप से भारत के जी-20 की अध्यक्षता के दौरान। वह फिलहाल गुजरात से राज्यसभा सदस्य हैं।

जयशंकर 1977 में भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) से जुड़े थे। उन्होंने मोदी सरकार के पहले कार्यकाल (2015-18) के दौरान भारत के विदेश सचिव के रूप में कार्य किया। वे अमेरिका (2013-15), चीन (2009-2013) और चेक गणराज्य (2000-2004) में भी राजदूत रह चुके हैं। वह सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त (2007-2009) रहे। इसके अलावा उन्होंने कई दूतावासों और विदेश मंत्रालय और राष्ट्रपति सचिवालय में भी सेवा दी। वह दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफन कॉलेज से स्नातक हैं और उन्होंने दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर और अंतरराष्ट्रीय संबंध में एम.फिल और पीएचडी की है।

मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के दिन टीएमसी और भाजपा में आरोप-प्रत्यारोप

कोलकाता/भाषा। नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने से कुछ घंटे पहले रविवार को तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच वाकयुद्ध शुरू हो गया।

कोलकाता के महापौर और तृणमूल नेता फिरहाद हकीम ने भविष्यवाणी की कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार लंबे समय तक नहीं चलेगी, वहीं भारतीय जनता पार्टी नेता अर्जुन सिंह ने सुझाव दिया कि हकीम को अपने राजनीतिक भविष्य के बारे में अधिक चिंतित होना चाहिए। पश्चिम बंगाल के बैरकपुर निर्वाचन क्षेत्र में तृणमूल उम्मीदवार से पराजित हुए सिंह ने पुष्टि की कि उन्हें रविवार को नई दिल्ली में मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने का निमंत्रण मिला है।

पार्टी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के रुख को दोहराते हुए हकीम ने संवाददाताओं से कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार अल्पकालिक होगी और उन्होंने शपथ ग्रहण को अस्थायी बताया। शनिवार को बनर्जी ने कहा था कि भले ही विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने अभी सरकार बनाने का दावा पेश नहीं किया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह बाद में ऐसा नहीं करेगी।

त्रिपुरा में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा क्षतिग्रस्त पाई गई

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के उनाकोटी जिले में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा क्षतिग्रस्त पाई गई। कांग्रेस के एक विधायक ने रविवार को यह जानकारी दी। कांग्रेस विधायक बीरजीत सिन्हा ने आरोप लगाया कि राजीव गांधी की तीन फुट ऊंची प्रतिमा को तोड़े जाने के पीछे भारतीय जानता पार्टी (भाजपा) समर्थित गुंडों का हाथ है। उन्होंने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री के सम्मान में 2009 में कैलाशहर उपखंड के गोविंदपुर क्षेत्र में कंक्रीट के ढांचे पर प्रतिमा स्थापित किया गया था। सिन्हा ने संवाददाताओं से कहा, ''रविवार सुबह पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा क्षतिग्रस्त पाई गई है, मुझे संदेह है कि भाजपा समर्थित कुछ गुंडों ने प्रतिमा तोड़ी है।'' विधायक ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

सौरभ शर्मा ने विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में दो स्वर्ण जीते

हमीरपुर (हिमाचल)/भाषा। भारतीय धावक सौरभ शर्मा ने स्विट्जरलैंड के नोट्टविल सिटी में आयोजित विश्व पैरा एथलीट ग्रां प्री में दो स्वर्ण पदक जीते। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर के इस खिलाड़ी ने टी12 वर्ग में 155 मीटर और 5000 मीटर दौड़ में शीर्ष स्थान हासिल किया। वह इससे पहले राष्ट्रीय स्तर पर सात स्वर्ण पदक जीत चुके है। यहां के रूप खायाह गांव के निवासी सौरभ के बड़े भाई विकास ने बताया, '' सौरभ ने छोटी उम्र से ही अपने खेल का सफर शुरू कर दिया था और आज उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करने और देश के लिए पदक जीतने का अपना सपना भी पूरा कर लिया है।'' सौरभ वर्तमान में देहरादून में राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान में अध्ययनरत हैं। शर्मा के बेहतरीन प्रदर्शन पर उनके कोच नरेश सिंह नयाल ने खुशी जताते हुए कहा कि सौरभ ने देहरादून में कड़ी मेहनत की है और अब नतीजे सबके सामने है।

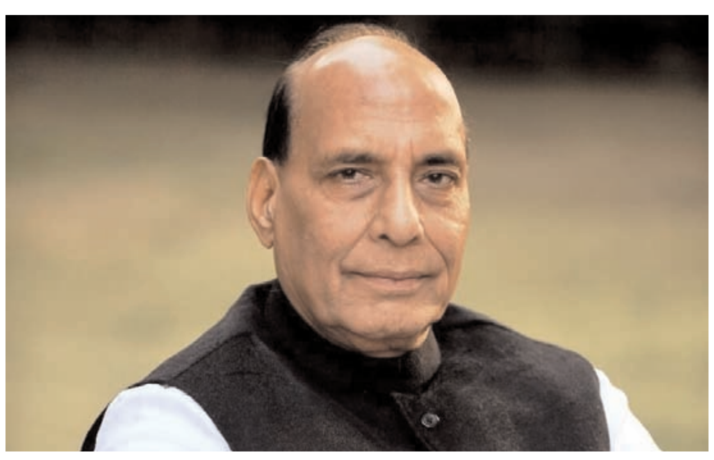

राजनाथ : उत्तर प्रदेश के एक सर्वोत्कृष्ट जमीनी नेता; मृदुभाषी एवं कुशल प्रशासक की है छवि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एक रणनीतिकार और जमीनी स्तर से जुड़े एक सर्वोत्कृष्ट नेता राजनाथ सिंह को नब्बे और उसके बाद के दशकों में हिंदी पट्टी के राज्य उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संगठनात्मक नेटवर्क का विस्तार करने का श्रेय दिया जाता है।

भौतिकी के प्रोफेसर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली दूसरी सरकार में देश के रक्षा मंत्री तक का महत्वपूर्ण सफर तय करने वाले राजनाथ भाजपा के ऐसे मजबूत स्तंभ हैं जिनकी पहचान कुशल प्रशासक और राजनीतिक शुचिता का सम्मान करने वाले परिपक्व नेता के रूप में होती है। राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य के चंदौली जिले से आने वाले सिंह को एक उदारवादी चेहरे के रूप में जाना जाता है और पार्टी लाइन से हटकर नेताओं के बीच उनका व्यापक सम्मान है।

मधुरभाषी और नपा तुला बोलने वाले सिंह प्रतिद्वंद्वियों पर कमोबेश निजी हमले करने से परहेज करते हैं। पार्टी में उनके कद का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि लाल कृष्ण आडवाणी के बाद वह ऐसे नेता हैं जिन्होंने दो अलग-अलग कार्यकाल के लिए पार्टी की कमान संभाली है। राजनाथ पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की राजनीतिक विरासत को इस लिहाज से आगे बढ़ा रहे है कि उन्होंने वाजपेयी के संसदीय क्षेत्र लखनऊ से लगातार चार बार विजय प्राप्त की। उन्होंने वाजपेयी सरकार में कृषि मंत्री का प्रभार भी संभाला था। आडवाणी तीन बार (1986 से 1990, 1993 से 1998 और 2004 से 2005) पार्टी अध्यक्ष रहे, जबकि सिंह 2005 से 2009 तक अध्यक्ष रहने के बाद 2013-14 में भी भाजपा अध्यक्ष रहे । उन्हीं के अध्यक्ष रहते पहली बार प्रधानमंत्री पद के लिए नरेन्द्र मोदी के नाम पर मुहर लगी थी । संघ के साथ उनके बेहतर रिश्ते का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि आडवाणी के जिन्ना प्रकरण के बाद संघ ने सिंह को ही पार्टी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी थी।

इसके बाद उन्होंने दूसरी बार पार्टी की कमान तब संभाली थी जब एक मामले में नितिन गडकरी का नाम सामने आया था। साधारण किसान परिवार में जन्मे सिंह ने मामूली कार्यकर्ता से लेकर पार्टी के अध्यक्ष और देश के गृह मंत्री जैसे अहम पद का जिम्मा संभाला है। वह सियासत में कदम रखने से पहले मिर्जापुर के कॉलेज में व्याख्याता हुआ करते थे।

भारतीय जनता पार्टी में सफलता की सीढ़ी संघ है और सिंह का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से गहरा नाता है। वर्ष 1964 में 13 वर्ष की अवस्था में ही वह संघ से जुड़ गए। व्याख्याता बनने के बाद भी संघ से उनका जुड़ाव बना रहा। राजनाथ ने हाल में एक टीवी साक्षात्कार में आपातकाल के दौरान जेल में रहने के दौरान उनकी मां के निधन का उल्लेख किया था। वह यह बताते समय भावुक हो गये थे कि तत्कालीन जेल प्रशासन ने उन्हें उनकी मां के अंतिम संस्कार में शामिल होने की अनुमति नहीं दी थी।

पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए पीयूष गोयल फिर बने केंद्रीय मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र में नरेन्द्र मोदी नीत सरकार के दूसरे कार्यकाल में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री रहे और अहम मंत्रालयों का प्रभार संभाल चुके भाजपा नेता पीयूष गोयल मुंबई उत्तर सीट से भारी मतों के अंतर से 2024 में पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए। गोयल 2010 से राज्यसभा के सदस्य रहे हैं। उन्होंने संसद के उच्च सदन में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के दौरान कई मौकों पर सरकार की स्थिति को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया।

पेशे से चार्टर्ड एकाउंटेंड और एलएलबी की डिग्री रखने वाले पीयूष गोयल (59) भले ही एक राजनीतिक परिवार से आते हो लेकिन उन्होंने एक केंद्रीय मंत्री के तौर पर अपने बेहतरीन काम और अपनी मृदुभाषा के कारण अपने मित्रों ही नहीं, बल्कि राजनीतिक विरोधियों के बीच भी सम्मान अर्जित किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछली दो सरकारों में विभिन्न समयों पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय, रेल मंत्रालय, उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय, कोयला मंत्रालय, खनन मंत्रालय, नवीनीकृत एवं अक्षय ऊर्जा मंत्रालय के साथ साथ कुछ

समय के लिए वित्त मंत्रालय का प्रभार भी संभाला था।

रेल मंत्री के तौर पर गोयल का कार्यकाल काफी महत्वपूर्ण रहा क्योंकि इस दौरान देश भर के रेल नेटवर्क को मजबूत करने तथा उन्नत प्रौद्योगिकी की मदद से उनका उन्नयन करने तथा वंदे भारत जैसी ट्रेनों को बढ़ावा देने में इनकी पहल को काफी सराहा गया। गोयल की मंत्री के तौर पर कार्य करने की शैली, उनकी मृदुभाषा और मित्रतापूर्ण स्वभाव के चलते ही भाजपा ने 2021 में उन्हें संसद के उच्च सदन राज्यसभा में सदन के नेता का एक बड़ा दायित्व सौंपा। गोयल ने राजनीति में आने के बाद खुद को सफल प्रशासक साबित किया। गोयल ने 2024 में पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ा। उनकी पार्टी ने उन्हें मुंबई उत्तर संसदीय सीट से उतारा। इससे पहले जुलाई 2022 में वह तीसरी बार निर्वाचित होकर उच्च सदन में पहुंचे थे।। मुंबई में 13 जून 1964 को जन्मे पीयूष एक राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता दिवंगत वेद प्रकाश गोयल भी अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में 2001 से 2003 तक केंद्रीय जहाजरानी मंत्री रहे। वह करीब दो दशक तक भाजपा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष भी रहे। पीयूष की मां चंद्रकांता गोयल मुंबई से तीन बार महाराष्ट्र विधानसभा में चुनी गईं।

सुविचार

कभी मौका मिला तो हम किस्मत से जरूर शिकायत करेंगे, क्यों छोड़ जाते हैं वह लोग, जिन्हें हम टूटकर चाहते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विकास की गति तेज करें

नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है। किसी नेता के लिए लगातार तीसरी बार इस पद तक पहुंचना निश्चित रूप से उसकी लोकप्रियता पर जनता की मुहर मानी जाएगी। इस बार भाजपा को अपने बूते पूर्ण बहुमत नहीं मिला, लेकिन 4 जून को उसके नेतृत्व वाले राजग ने रुझानों में दोपहर को ही बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया था। भले ही भाजपा के पास 'जादुई नंबर' नहीं था, लेकिन मतदाताओं ने निर्विवाद रूप से विपक्ष के सभी नेताओं से ज्यादा मोदी पर भरोसा जताया है। मोदी ने यह 'उपलब्धि' कोरोना काल को पार करने के बाद हासिल की है, जो कई देशों में सत्ता-परिवर्तन करवा चुका है। लोकसभा चुनाव नतीजों को इस तरह देखना चाहिए कि मतदाताओं ने भाजपा को 'चेताया' है, कांग्रेस की पीठ को 'थपथपाया' है, लेकिन भरोसा मोदी पर ही जताया है। अगर जनता मोदी सरकार से उकता चुकी होती तो भाजपा 150 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाती। एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल होने के नाते भाजपा को उन बिंदुओं पर आत्म-मंथन करना चाहिए, जो उसके पूर्ण बहुमत पाने में बाधा बने। साथ ही, मोदी सरकार को अपने फैसलों से मतदाताओं की नाराजगी दूर करनी चाहिए। इस सरकार में सहयोगी दलों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होगी। देश में राजनीतिक स्थिरता को सुदृढ़ करने और विकास की गति को तेज करने के लिए भाजपा को अन्य दलों के साथ भी समन्वय एवं संवाद का रास्ता अपनाना चाहिए। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, अब चुनावी आरोप-प्रत्यारोप को पीछे छोड़ते हुए ऐसे काम करें, जिनसे लोगों की ज़िंदगी आसान हो। बेशक सबको साथ लेकर चलना आसान नहीं होता, लेकिन यह असंभव भी नहीं होता। एक सौ चालीस करोड़ से ज्यादा आबादी वाले और विविधताओं से भरे हुए देश के प्रधानमंत्री इस बात से खूब परिचित हैं, जिनके पास राजनीति का सुदीर्घ अनुभव है।

नई सरकार हिंदुत्व को साथ रखते हुए सभी समुदायों और वर्गों के कल्याण के लिए काम करे। अपने कुछ नेताओं के बड़बोलेपन पर लगाम लगाए। देश का हर नागरिक अपना है, कोई पराया नहीं है। मोदी सरकार देश के आम लोगों तक यह संदेश पहुंचाए कि वह उनसे दूर नहीं है। बिहार (जहां सत्तारूढ़ जदयू अब केंद्र में भाजपा के साथ है), ओडिशा (जहां भाजपा सरकार बनाने वाली है) समेत जिन राज्यों में अब भी गरीबी काफी ज्यादा है, वहां लोगों की जरूरतों के साथ इन्साफ़ करे। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा (जहां भाजपा की सरकारें हैं) और पंजाब में युवाओं और किसानों के मुद्दों की ओर खास ध्यान दे। उत्तराखंड, हिमाचल, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ ... जहां भाजपा का प्रदर्शन शानदार रहा, वहां अपने नेताओं को विनम्र रहने की नसीहत देते हुए जमीन से जुड़ाव रखे, आम जनता तक हर सुविधा पहुंचाए। आंध्र प्रदेश को 'डबल इंजन' सरकार का फायदा जनता के जीवन में आए गुणवत्तापूर्ण बदलाव के रूप में दिखना चाहिए। कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना में भाजपा को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। अब केंद्र सरकार यहां पानी, रोजगार और उद्योगों से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देते हुए राज्यों की मांगें पूरी करे। उत्तर-पूर्व में समय के साथ भाजपा की स्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी इस कार्यकाल में वहां शिक्षा, सौहार्द, पर्यटन, उद्योगों को बढ़ावा देने वाले प्रयासों में और तेजी लाएं। इन राज्यों में बांग्लादेश और म्यांमार से होने वाली घुसपैठ एक बड़ी समस्या है। घुसपैठिए किसी भी सूरत में नरमी के हकदार नहीं हैं। वे कई राज्यों में फैल चुके हैं। उनका बोझ भारत क्यों उठाए? घुसपैठियों के खिलाफ बड़े स्तर पर कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसे लोगों को कठोर कारावास मिलना चाहिए। साथ ही उन लोगों को भी कारागार में डालना चाहिए, जो घुसपैठियों की मदद करते हैं। देश के युवाओं को रोजगार देने की स्पष्ट नीति होनी चाहिए। बेशक भारत में कोई भी सरकार हर युवा को सरकारी नौकरी नहीं दे सकती। अगर हमें तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बनना है तो निजी क्षेत्र को बढ़ावा देना ही होगा। युवाओं में स्वरोजगार की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। इसके लिए नियमों का सरलीकरण होना चाहिए। लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। मोदी सरकार 'जनता की सरकार' है, यह बात कागजों में ही नहीं, धरातल पर भी नजर आनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

संयुक्त प्रवेश परीक्षा एडवांस्ड की परीक्षा में सफल सभी छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की ढेरों शुभकामनाएं। यह सफलता आप सभी की कठोर मेहनत, लगन एवं आत्मविश्वास का एक बेहतर उदाहरण है।

-दीया कुमारी

भारतीय क्षत्रिय महासंघ राजस्थान द्वारा आयोजित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी जयंती समारोह में शिरकत की। स्वधर्म और स्वाभिमान की रक्षा के लिए राष्ट्र सदैव महाराणा प्रताप जी के त्याग व समर्पण से प्रेरणा प्राप्त करता रहेगा।

-राज्यवर्धन सिंह राठौड़

हिंदुआ सूरज वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती पर उन्हें कोटिकोटि नमन। अपने शौर्य से उन्होंने मरुधरा के गौरव और मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा की। उनका जीवन और देश के प्रति बलिदान भारत के इतिहास का वह स्वर्णिम अध्याय है जो सभी को प्रेरित करता है।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

कन्यादान

एक क्रांतिकारियों ने काकोरी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से सरकारी खजाना छीना तो पं. रामप्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, राजेंद्र लाहिड़ी तथा अशफाक उल्ला खां को अंग्रेजों ने फांसी पर लटका दिया। ठाकुर रोशन सिंह के परिवार में उनकी पत्नी तथा विवाह योग्य बेटी थी। उनकी पत्नी के सामने बेटी के विवाह की समस्या आ खड़ी हुई। एक तो उनके पास धन का अभाव था, दूसरे जिस युवक के साथ उसके विवाह की बात चलती कि पुलिस का दरोगा उसे धमकी दे आता कि यदि राजद्रोही की बेटी से विवाह किया तो खैर नहीं। एक पड़ोसी युवक यह जानता था कि इस समस्या का हल तेजस्वी व राष्ट्रभक्त पत्रकार गणेश शंकर विद्यार्थी की सहायता से निकाला जा सकता है। वह कानपुर गया तथा 'दैनिक प्रताप' के कार्यालय पहुंचा। उसने विद्यार्थी जी को सारी घटना से अवगत कराया। विद्यार्थी जी ने यह सुना तो उनकी आंखें सजल हो गईं। अगले दिन वे युवक को साथ लेकर दरोगा के पास गए और अपना परिचय देकर कहा, 'तुम स्वयं हिन्दुस्तानी हो, क्या तुम्हें एक राष्ट्रभक्त शहीद की बेटी के विवाह में अड़चन डालते हुए शर्म नहीं आती?

सामयिक

राहुल-अखिलेश कब तक साथ-साथ?

संजय सक्सेना
मोबाइल : 8299050585

लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद दिल्ली से लेकर यूपी तक की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। आम चुनाव में उत्तर प्रदेश से जो नतीजे आये उससे एनडीए गठबधन का खेल मुश्किल हो गया,वहीं इंडी गठबंधन को बड़ी सफलता मिली है। इसके चर्चे भी खूब हो रहे हैं। इससे पहले 2017 के यूपी विधान सभा चुनाव में राहुल-अखिलेश का साथ आना और 2019 के लोकसभा चुनाव के समय मायावती-अखिलेश के एकजुट होने की नाकामयाब पटकथा लिखी जा चुकी थी, इस लिए इस बार भी राहुल-अखिलेश की जोड़ी से किसी को ज्यादा उम्मीद नहीं थी,लेकिन इस बार तो राहुल-अखिलेश की जोड़ी ने चमत्कार दिखाते हुए बीजेपी से आगे-पीछे का सारा हिसाब एक ही बार में बराबर कर लिया। इसके मुख्य किरदार सपा प्रमुख अखिलेश यादव है, जिन्होंने न केवल समाजवादी पार्टी को शानदार जीत दिलाई बल्कि कांग्रेस को भी यूपी में एक बार फिर से उभरने का मौका दिया, जिसकी वजह से नवगठित मोदी सरकार की स्थिति पहले जैसी मजबूत नहीं लग रही है। परंतु सबसे बड़ा सवाल यही है कि इस गठबंधन का भविष्य कितना लम्बा है। ऐसा इसलिए पूछा जा रहा है क्योंकि चुनाव नतीजे आये कुछ ही दिन नहीं हुए हैं और गांधी परिवार और कांग्रेस यूपी को लेकर नई रणनीति बनाने लगी है। ऐसे में समाजवादी पार्टी की साइकिल पर चढ़कर उत्तर प्रदेश में शानदार प्रदर्शन करने वाली कांग्रेस यदि जल्द सपा की साइकिल से उतर कर अपने बल पर यूपी की राजनीति में अपना पुराना मुकाम हासिल करने की कोशिश करें तो किसी को आश्चर्यचकित नहीं होना चाहिए।इस बात के संकेत भी मिलने लगे हैं।

उधर, राजनीतिक जानकारों का भी दावा है कि अगर कांग्रेस को यूपी विधानसभा चुनाव 2027 में लड़ाई लड़नी है तो राहुल को वायनाड की जगह रायबरेली ही चुनना होगा। साल 2009 के बाद यूपी में सबसे ज्यादा 6 सांसद जीतने वाली कांग्रेस के लिए यूपी में अपनी जड़ें दोबारा स्थापित करने के लिए यह अच्छा मौका माना जा रहा है। ऐसे में राहुल का फैसला बहुत हद तक पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए भी अहम होगा। गौरतलब हो, केंद्र की सियासत के लिए भी उत्तर प्रदेश को सत्ता की कुंजी माना जाता है। 2024 के चुनाव नतीजों में कांग्रेस-सपा गठबंधन के शानदार प्रदर्शन ने इसकी झलक दिखा दी है। ऐसे में राहुल गांधी के पास रायबरेली को ही अपनी पसंद बनाने के अलावा कोई विकल्प भी नहीं है। जैसा कि स्वयं राहुल ने कहा भी कि नियमों का तकाजा है कि वे एक ही सीट से सांसद रह सकते हैं। उनके वश में होता तो रायबरेली व वायनाड दोनों का प्रतिनिधित्व करते। रायबरेली सीट का दो दशक तक प्रतिनिधित्व करने के बाद सोनिया गांधी ने इस बार चुनाव न लड़ने का फैसला किया और राहुल को अपनी सियासी कर्मभूमि की यह विरासत सौंपी।

कांग्रेस की यही महत्वाकांक्षा भविष्य में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच दूरियां बढ़ने का सबब बन सकती है। क्योंकि तब एक दूसरे के वोट बैंक में सेंधमारी की कोशिश होगी। जहां से दोनों दलों के बीच सियासी तलवार खिंचना निश्चित है। यह सब कब शुरू होगा और कब खत्म होगा यह तो निश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता है,लेकिन कांग्रेस के कुछ नेताओं के बयानों से इसकी सुगबुगाहट जरूर शुरू हो गई है। ऐसे में धीरे-धीरे दोनों दलों के बीच दूरियां बढ़ाना शुरू हो सकती है, जो अंत में बिखराव का रूप धारण कर सकते हैं। ऐसा इसलिए होता दिख रहा है क्योंकि आज जो समाजवादी पार्टी का वोट बैंक है, वह कभी कांग्रेस का मजबूत आधार हुआ करता था। कांग्रेस इसे फिर से हासिल करना चाहती है। इस बात के संकेत के तौर पर कहां जा रहा है की यूपी में कांग्रेस को पुरानी प्रतिष्ठा लौटाने के लिए राहुल गांधी, मां सोनिया गांधी के समझाने पर रायबरेली से ही सांसद बने रहने को तैयार हो गए हैं ताकि यूपी में कांग्रेस का विस्तार किया जा सके। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद कांग्रेस की पहली बैठक और परिवार के साथ रायशुमारी के बाद उन्होंने यह फैसला किया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, राहुल दोनों सीटों में से कौन सी सीट चुनें,उनकी इस दुविधा को सोनिया गांधी ने दूर कर दिया है। सोनिया ने राहुल को समझाया कि यूपी कांग्रेस के लिए बेहद जरूरी है। इसलिए उन्हें रायबरेली अपने पास रखना चाहिए। यह भी कहा जा रहा है कि प्रियंका दोबारा यूपी प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल सकती हैं। 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में हार के बाद उन्होंने इस पद को छोड़ दिया था। राहुल के सीट छोड़ने पर प्रियंका वायनाड से उपचुनाव लड़ सकती हैं। गांधी परिवार इसके जरिए उत्तर के साथ दक्षिण में पकड़ मजबूत रखना चाहता है।

राहुल के रायबरेली में बने रहने की सहमति के पीछे मां सोनिया की वह भावुक अपील भी है, जिसमें उन्होंने कहा था, 'आपको बेटा सौंप रही हूं।' राहुल ने भी चुनाव नतीजे आने के पहले ही दिन पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका संकेत दिया था। उन्होंने यूपी को स्पेशल थैंक्यू बोला था। पार्टी के एक सीनियर लीडर ने बताया कि रायबरेली की जीत इस लिहाज से भी बड़ी है कि परिवार ने अमेठी की खोई सीट भी हासिल कर ली है। रायबरेली में राहुल को वायनाड से बड़ी जीत मिली। ऐसे में वह रायबरेली छोड़ेंगे तो यूपी में गलत राजनैतिक मैसेज जाएगा।नेहरू-गांधी परिवार का दशकों पुराना यूपी से रिश्ता भी कमजोर हो जायेगा। क्योंकि गांधी परिवार के मुखिया ने हमेशा यूपी से ही राजनीति की। पिता राजीव गांधी अमेठी और परदादा जवाहरलाल नेहरू इलाहाबाद से चुनाव लड़ते रहे हैं। रायबरेली सीट उनकी मां, दादी इंदिरा और दादा फिरोज गांधी की सीट है।

वैसे कुछ सूत्र यह भली बताते हैं कि प्रियंका गांधी के कुछ करीबी नेता चाहते थे कि राहुल वायनाड में ही रहें और प्रियंका रायबरेली से उपचुनाव लड़ें। दरअसल, नामांकन से ठीक एक दिन पहले ही गांधी परिवार ने फैसला लिया था कि राहुल रायबरेली से लड़ेंगे। ये फैसला आखिरी वक्त में इसलिए हुआ कि प्रियंका और रॉबर्ट दोनों चुनाव लड़ना चाहते थे। लेकिन पार्टी के सीनियर नेताओं ने प्रियंका को समझाया कि परिवारवाद के आरोप से कांग्रेस कमजोर होगी।वहीं सोनिया गांधी के उस वायदे को भी ठेस पहुंचती जो उन्होंने रायबरेली की जनता से की थी। गौरतलब हो,इस लोकसभा चुनाव की पहली रैली में जब सोनिया गांधी रायबरेली पहुंचीं थी तो उन्होंने मंच से कहा था मैं आपको बेटा सौंप रही हूं। जैसे मुझे माना, वैसे ही मानकर रखना। राहुल आपको निराश नहीं करेंगे। राहुल ने 3.90 लाख वोटों से जीत दर्ज की, जबकि 2019 में सोनिया गांधी ने 1.67 लाख वोटों से जीत दर्ज की थी। इसके अलावा कांग्रेस को यूपी में इस बार 9.4 फीसदी वोट मिला। यह कांग्रेस के लिए संजीवनी की तरह है। 2019 में 6.36 फीसदी वोट शेयर और एक सीट ही मिली थी। 2022 यूपी विधानसभा चुनाव में 2.33 फीसदी वोट और दो सीटें मिली थीं। 2019 में यूपी में एक सीट पर सिमट गई कांग्रेस के लिये 2024 के नतीजे उम्मीद की नई किरण बन कर आये हैं। इस मौको को वह पूरी तरह से लपकने को तैयार हैं।आने वाले दिनों में राहुल-प्रियंका यूपी में अपनी एक्टिविटी और बढ़ा सकते हैं। अमेठी में किशोरी लाल के साथ 4 अन्य सीट जीतने पर उनका कॉन्फिडेंस भी काफी बढ़ा है। दोनों की बॉडी लैंग्वेज भी बदल चुकी हैं। इसके अलावा उन्हें ये भी पता है कि यदि वह यूपी छोड़ देंगे, तो अखिलेश का उन्हें हमेशा सहारा लेना पड़ेगा और कांग्रेस कभी अपने दम पर यूपी में खड़ी नहीं हो पाएगी। इसी लिये कांग्रेस नेता समाजवादी पार्टी की साइकिल से उतर कर आगे बढ़ने की रणनीति बना रहे हैं।

मुद्दा

लोकसभा में क्रिमिनल सदस्यों की संख्या बढ़ी

बाल मुकुन्द ओझा

लोकसभा चुनाव 2024 में चुने गए कुल 543 सांसदों में से 251 सांसदों के खिलाफ क्रिमिलन केस दर्ज है, जिनका प्रतिशत 46 है। इनमें से 27 सांसदों को अलग-अलग अदालतों से दोषी करार दिया जा चुका है। 251 सांसदों में से 170 पर बलात्कार, हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे केस हैं। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की एक ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार भाजपा के 63, कांग्रेस के 32 और सपा के 17 सांसदों पर गंभीर अपराध दर्ज हैं। लिस्ट में तृणमूल कांग्रेस के 7, द्रमुक के 6, तेलुगु देशम पार्टी के 5 और शिवसेना के 4 सांसदों के नाम हैं। संसद पहुंचने वाले सबसे दागी सांसदों की बात करें तो केरल की इडुक्की सीट से कांग्रेस के डीन कुरियाकोस का नाम सबसे ऊपर है। डीन ने 1.33 लाख वोट से जीत हासिल की है। उन पर करीब 88 मामले दर्ज हैं। इस लिस्ट में दूसरा नाम कांग्रेस के शफी परम्बिल का और तीसरा नाम इगझ के एतेला राजेन्द्र का है। वहीं वर्ष 2019 के लिए, यह संख्या 159 सांसदों की थी, जिनके खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। देश की सियासत में नेताओं और अपराध का चोली-दामन का साथ रहा है। देश में ऐसी कोई भी राजनीतिक पार्टी नहीं, जो पूरी तरह से दागी मुक्त हो। यानी उनके किसी भी एक नेता पर अपराध के मामले दर्ज नहीं हों। पिछले 76 सालों में जिस तरह हमारी राजनीति का अपराधीकरण हुआ है और जिस तरह देश में आपराधिक तत्वों की ताकत बढ़ी है, वह जनतंत्र में हमारी आस्था को कमजोर बनाने वाली बात है। राजनीतिक दलों द्वारा अपराधियों को शह देना, जनता द्वारा वोट देकर उन्हें स्वीकृति और सम्मान देना और फिर कानूनी प्रक्रिया की कछुआ चाल, यह सब मिलकर हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था और जनतंत्र के प्रति हमारी निष्ठा, दोनों, को सवालों के घेरे में खड़ा कर देते हैं। राजनीति में शुचिता को लेकर ऊपरी तौर पर सभी सियासी दल सहमत है मगर व्यवहार में उनकी कथनी और करनी में भारी अंतर है। लगभग सभी दल चुनाव जीतने के लिए ऐसे उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारते है जो बाहुबली होने के साथ आपराधिक आचरण वाले है। नेताओं के खिलाफ अदालती मुकदमें कोई नयी बात नहीं है। आजादी के बाद से ही नेताओं को विभिन्न धाराओं में दर्ज मुकदमों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले दो दशकों में ऐसे मामलों में यकायक ही तेजी आयी। दर्ज मुकदमों में हत्या, हत्या के प्रयास, सरकारी धन का दुरूपयोग, भ्रष्टाचार, बलात्कार जैसे गंभीर प्रकृति के मुकदमें भी शामिल है। वर्षों से इन मुकदमों का फैसला नहीं होने से हमारी लोकतान्त्रिक प्रणाली पर सवाल उठते रहे है। लम्बे मुकदमें चलने से सबूत मिलने में काफी परेशानी होती है और अंततोगत्वा आरोपी बरी हो जाते है। सुप्रीम अदालत यदि ऐसे मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए कोई सख्त कदम उठाये तो पीड़ितों को न्याय मिल पायेगा।

पिछले सालों में देश में जिस तरह हमारी राजनीति का अपराधीकरण हुआ है और आपराधिक तत्वों की ताकत बढ़ी है, वह जनतंत्र में हमारी आस्था को कमजोर बनाने वाली बात है। राजनीतिक दलों द्वारा अपराधियों को शह देना, जनता द्वारा वोट देकर उन्हें स्वीकृति और सम्मान देना और फिर कानूनी प्रक्रिया की कछुआ चाल, यह सब मिलकर हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था और जनतंत्र के प्रति हमारी निष्ठा, दोनों, को सवालों के घेरे में खड़ा कर देते हैं। राजनीति के अपराधीकरण पर हो रही चर्चाओं में पक्ष और विपक्ष के अलग अलग गुट बन जाते है जो इस नापाक गठजोड़ को तोड़ने के बजाय एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाकर अपने हित साधने में लगे रहते है। इससे सार्थक चर्चा नहीं हो पाती और पूरा समय गंदे बोलों के बीच समाप्त हो जाता है। लगता है इन चर्चाओं में भाग लेने के लिए ऐसे लोगों को बुलाया जाता है जो अपने निम्न स्तरीय बयानों के लिए जाने जाते है।

आखिर क्यों सरकार इस दिशा में कुछ कर नहीं रही? और विपक्ष भी क्यों चुप है इस मामले में? क्या इसलिए कि सबके दामन पर दाग है? क्या इसलिए कि बाहुबल, धनबल की राजनीति सबको रास आती है? ईमानदार राजनीति का तकाजा है कि राजनीति को आपराधिक तत्वों से मुक्त कराने की प्रक्रिया तत्काल शुरू हो न्याय-व्यवस्था में बदलाव लाकर राजनीति के अपराधियों के मामले निश्चित समय-सीमा में निपटाये जाएं।

नजरिया

हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

मानसिक विकृति के शिकार कुछ बंदूकधारियों द्वारा निरिह लोगों की हत्या कर अपना मकसद साध लेना ही आतंकवाद की श्रेणी में नहीं आता है, बल्कि शक्ति संपन्न राष्ट्रों द्वारा अपनी विस्तार वादी सामंती अवधारणा को पूरा करने के लिए छोटे देशों पर हमला करना भी आतंकवाद ही है। इसराइल-हमास, रूस-यूक्रेन युद्ध इसका ताजा उदाहरण है, अमेरिका की दादागिरी, चीन का पागलपन, उत्तर कोरिया की सनक इन सबके विभस्त उदाहरण है जो अपनी व्यवसायिक, सामरिक और मानसिक सनक को पूरा करने के लिए किसी भी देश को नेस्तनाबूद कर नागरिकों पर कहर ढाकर उन्हें मौत के घाट उतार देते हैं। यह सब अंतर्राष्ट्रीय सामूहिक बलात आतंकवाद ही हैं। भारत एक सशक्त और बलशाली देश होने के बावजूद शांति की नीति को अपनाए हुए है और वैश्विक शांति का संदेश भी देने का प्रयास कर रहा है ऐसे देशों को साधुवाद देना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महाबली राष्ट्रों की विस्तार वादी तथा सामंती गतिविधियों की सार्वजनिक निंदा भी की जानी चाहिए।

आतंकवाद एक मानसिक विकृति की विचारधारा है, जिसके द्वारा हिंसक कार्यों और गतिविधियों से जनमानस अशांति और भय की स्थापना करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करना होता है। जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं जो कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट, हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती है। आतंकवाद मूलत: धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम मैं विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड ,बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम हरा के रखा है। नक्सलवाद मूलत: सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवादी ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं, यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेल रेल पटरियों वायुयानों का अपहरण निर्दोष लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सल वाली क्षेत्र से पनपा है, जो पूरे भारत में धीरे-धीरे फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए हैं। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण, नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। यह समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं।

आतंकवाद को वृहद रूप देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भी बड़ा साथ दिया है, आतंकवादियों, नक्सलवादियों और नस्ल वादियों के लिए रसायनिक, नाभिकीय, जैविक मानव बम जैसे आधुनिक हथियार उपलब्ध होने से यह आतंकवादी गतिविधियां और भी खतरनाक हो गई है। इसके अलावा मीडिया में इंटरनेट उपलब्धता से यह सारी सरकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो जाती है इससे आतंकवादी और ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। विश्व में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर 11 सितंबर 2001 आतंकवादी हमला मानव इतिहास की सबसे क्रूर तम हमला माना जाता है। पाकिस्तान के पेशावर जिले में आर्मी स्कूल में 150 मासूम बच्चों की निर्मम हत्या भी एक क्रूर आतंकवादी घटना है। भारत में 1993 में मार्च में श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोट इसी तरह दिसंबर 2001 में संसद भवन पर हमला वाराणसी बम विस्फोट, अहमदाबाद में बम विस्फोट, 2008 में मुंबई ताज होटल पर हमला,2016 में पठानकोट एयरबेस हमला, 2017 में अमरनाथ तीर्थयात्रियों हमला, 2019 में पुलवामा हमला आतंकवादी घटनाएं हैं आतंकवाद का सबसे भयानक रूप यह है की कोई भी देश यह नहीं जानता कि आतंकवाद का अगला निशाना कौन सा देश और कौन सी इमारत, रेलवे स्टेशन, वायुयान और कौन सा धार्मिक स्थल होगा। वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ असुरक्षा की भावना पूरी तरह व्याप्त हो चुकी है।

आतंकवाद का सबसे विस्तृत और भयानक रूप अफगानिस्तान में सरकार का तख्तापलट का ही है। वहां तालिबानी आतंकवादियों द्वारा सरकार को गिरा कर अफगानिस्तान देश पर जाकर वहां शासन स्थापित कर लिया था, और पूरी दुनिया तमाशबीन बनी रही। रूस यूक्रेन युद्ध में भी लाखों लोगों की आक्रमण कर हिंसक हत्या तानाशाही तथा मानसिक आतंकवाद का ही एक भयानक रूप है। पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ भारत सहित अनेक कानून बनाए गए एवं उन पर अमल भी किया जा रहा है। अशांति की इस विचारधारा में जन समुदाय में रोश तथा खौफ पैदा कर दिया है और यह मानवता के लिए अभिशाप की तरह व्याप्त हो गया है। जिससे विश्वव्यापी वैश्विक शांति की अवधारणा को नष्ट कर दिया है। वैसे तो पूरे विश्व में आतंकवाद के खिलाफ प्रयास किए जा रहे हैं पर हर देश के हर नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि इस विचारधारा और इनकी गतिविधियों पर नजर रख इसे समूल नष्ट करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शन

भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता रविवार को नई दिल्ली में एनईईटी घोटाले के विरोध में प्रदर्शन के दौरान नारे लगाते हुए।

जौहरी ने मोदी के लिए चांदी से कमल का फूल बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से संबद्ध जम्मू के एक जौहरी ने नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री के रूप में रविवार को तीसरी बार शपथ ग्रहण करने पर उनके लिए चांदी से बना तीन किलोग्राम का कमल का फूल तैयार किया है। 'कमल' भाजपा का चुनाव चिह्न है। जम्मू के बाहरी इलाके में स्थित मुथी गांव के निवासी रिंकू चौहान ने कहा कि मोदी को यह अनोखा उपहार देने का विचार उनके दिमाग में तब आया, जब भाजपा सरकार ने जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को हटाने का अपना वादा अगस्त 2019 में पूरा किया और उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कराया।

पार्टी की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) के प्रवक्ता चौहान ने अपने आवास पर 'भाषा' से कहा, हमारे प्रिय प्रधानमंत्री के लिए यह उपहार तैयार करने में मुझे 15 से 20 दिन लगे। मैंने चांदी से बना कमल का फूल स्वयं तैयार किया है और मैं उन्हें यह भेंट देने का इंतजार कर रहा हूं।

मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने दिल्ली पहुंचे सात पड़ोसी देशों के नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री पद के लिए नामित नरेन्द्र मोदी और उनकी मंत्रिपरिषद के शपथग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्ज़ू, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' और श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे सहित भारत के पड़ोस और हिंद महासागर क्षेत्र के शीर्ष नेता रविवार को दिल्ली पहुंचे। मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ और उनके भूटानी समकक्ष शेरिंग टोबगे भी समारोह के लिए दिल्ली पहुंचे, जहां मोदी अपनी मंत्रिपरिषद के सहयोगियों के साथ लगातार तीसरी बार शपथ लेंगे। बांग्लादेश की राष्ट्रपति शेख हसीना और सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ शनिवार को ही दिल्ली पहुंच गए थे। विदेशी नेताओं में मुइज्ज़ू की यात्रा काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि यह भारत और मालदीव के बीच संबंधों में जारी तनाव के समय हुई है। पिछले साल 17 नवंबर को द्वीप राष्ट्र के राष्ट्रपति बनने के बाद मुइज्ज़ू की यह पहली भारत यात्रा है। शपथ ग्रहण समारोह राष्ट्रपति भवन में शाम 7:15 बजे शुरू होगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नरेन्द्र मोदी और उनकी मंत्रिपरिषद के शपथग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्ज़ू नयी दिल्ली पहुंचे, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उन्होंने कहा, भारत और मालदीव समुद्री साझेदार एवं करीबी पड़ोसी हैं। मुइज्ज़ू ने शनिवार को कहा था कि वह भारत के साथ घनिष्ठ संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से नरेन्द्र मोदी के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध सकारात्मक दिशा में बढ़ रहे हैं।

चीन समर्थक माने जाने वाले मुइज्ज़ू के राष्ट्रपति के रूप में पदभार संभालने के बाद से भारत और मालदीव के बीच संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। मुइज्ज़ू ने अपनी शपथ के कुछ ही घंटों के भीतर मालदीव से भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस बुलाने की मांग की थी। इस महीने की शुरुआत में भारतीय सैन्यकर्मियों की जगह वहां भारत के असैन्य कर्मियों को तैनात किया गया था।

जायसवाल ने टोबगे के आगमन के बाद कहा कि यह यात्रा भारत तथा भूटान के बीच दोस्ती एवं सहयोग के करीबी संबंधों को और मजबूत करेगी। विक्रमसिंघे की यात्रा पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत और श्रीलंका सभ्यतागत साझेदार हैं तथा उनके बीच मजबूत एवं स्थायी द्विपक्षीय संबंध हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड सबसे बाद में दिल्ली पहुंचे। जायसवाल ने 'एक्स' पर कहा, यह यात्रा अद्वितीय भारत-नेपाल संबंधों को दर्शाती है तथा हमारे बहुमुखी संबंधों को और अधिक गति प्रदान करेगी।

विदेश मंत्रालय ने कहा, नरेन्द्र मोदी के लगातार तीसरे कार्यकाल के शपथग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए नेताओं की यात्रा भारत की 'पड़ोस प्रथम' नीति और 'सागर' दृष्टिकोण को दी गई सर्वोच्च प्राथमिकता के अनुरूप है। इसने कहा कि भारत, 'सागर' (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) की व्यापक नीति रूपरेखा के अंतर्गत हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साथ सहयोग कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि शपथग्रहण समारोह में शामिल होने के अलावा सभी नेता राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित भोज में भी शामिल होंगे। मोदी के विदेशी नेताओं के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें करने की संभावना है।

क्षेत्रीय समूह दक्षेस (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) देशों के नेताओं ने मोदी के पहले शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था, जब उन्होंने भाजपा की शानदार चुनावी जीत के बाद प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था। मोदी जब 2019 में लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बने तो उनके शपथग्रहण समारोह में बिम्सटेक देशों के नेता शामिल हुए थे।

इस बार, हालांकि लोकसभा चुनाव में भाजपा को अपने दम पर बहुमत नहीं मिल सका, लेकिन पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने 543 में से 293 सीट हासिल कीं।

पाकिस्तान कृषि संबंधी प्रशिक्षण के लिए एक हजार विद्यार्थियों को चीन भेजेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि कृषि क्षेत्र में आधुनिक प्रशिक्षण लेने के लिए एक हजार विद्यार्थी चीन भेजे जाएंगे। मीडिया में आई खबरों से यह जानकारी मिली है। 'रेडियो पाकिस्तान' ने खबर दी है कि शरीफ ने चीनी शहर शिआन में 'एग्रीकल्चर डेमोसट्रेशन बेस' की यात्रा के दौरान शनिवार को यह ऐलान किया। प्रधानमंत्री चीन की पांच दिन की यात्रा पर थे। शरीफ ने चीन के उत्तर पश्चिमी कृषि एवं वानिकी विश्वविद्यालय को पाकिस्तान में अपना परिसर खोलने के लिए भी आमंत्रित किया। 'जियो न्यूज़' ने खबर दी है कि उन्होंने चीन में पाकिस्तान के राजदूत और संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में चीनी अधिकारियों के साथ मामलों को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया। शरीफ ने चीनी अधिकारियों से कहा, पाकिस्तान अपने कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने की कोशिश कर रहा है ताकि फसलों की प्रति एकड़ पैदावार बढ़ाई जा सके। कृषि निर्यात बढ़ाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। बाद में शरीफ अपने उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ वतन लौट आए। पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान शरीफ ने चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से भी मुलाकात की थी।

श्रद्धांजलि

टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू और उनके बेटे और टीडीपी महासचिव नारा लोकेश ने रविवार को हैदराबाद में रामोजी फिल्म सिटी के संस्थापक रामोजी राव को श्रद्धांजलि देते हुए।

फिल्म 'अग्निसाक्षी' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार प्रदीप पांडेय चिंटू की आने वाली फिल्म अग्निसाक्षी का ट्रेलर आज रिलीज़ हो गया है। कांस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 में फिल्म अग्निसाक्षी का पहला लुक पोस्टर लॉच किया गया था। अब इस फिल्म का ट्रेलर देसी धुन यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है। इस फिल्म के निर्माता - निर्देशक- राजकुमार आर पांडेय हैं।ट्रेलर में प्रदीप पांडेय चिंटू का जबरदस्त एक्शन और इमोशनल ड्रामा देखने को मिल रहा है।

फिल्म अग्निसाक्षी में प्रदीप पांडेय चिंटू के साथ अक्षरा सिंह ,तनुश्री ,राज सिंह राजपूत, आकाश यादव, विपिन सिंह, ग्लोरी महानता, मनोज द्विवेदी, लाखन भारद्वाज पंडित, उदय श्रीवास्तव, प्रिया पांडेय, के के गोस्वामी, शकीला मजीद, मंटू लाल, सुमित सिंह ,अजीत मंडल, ओम साव, जे नीलम तथा संजय पांडेय कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।फिल्म अग्निसाक्षी के कैमरामैन देवेंद्र तिवारी, गीत-संगीत राजकुमार आर पांडेय हैं। कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी और मनोज गुप्ता हैं। एक्शन प्रदीप खड़का है। आर्ट शेरा, प्रोडक्शन हेड महेश उपाध्याय, प्रोडक्शन कंट्रोलर आशीष दुबे और प्रोडक्शन मैनेजर मुकेश तिवारी हैं. सहायक निर्देशक अजय सिवान, सोनू सिंह, राजन सोनी हैं।

योद्धा के बाद फिर एक्शन फिल्म में काम करेंगे सिद्धार्थ मल्होत्रा!

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा योद्धा के बाद एक बार फिर एक्शन फिल्म में काम करते नजर आ सकते हैं। सिद्धार्थ मल्होत्रा हाल ही में थ्रिलर फिल्म योद्धा में नजर आये थे। सिद्धार्थ जल्द ही एक और एक्शन फिल्म में दिखाई देने वाले हैं। बताया जा रहा है कि सिद्धार्थ ने एक्शन फिल्म के लिये निर्माता मुराद खेतानी के साथ हाथ मिलाया है। इस फिल्म का निर्देशन बलविंदर सिंह जंजुआ करेंगे।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की इस फिल्म का टाइटल अभी नहीं रखा गया है। वहीं, मुराद खेतानी सिने 1 स्टूडियो के साथ अपने मूवी टनल प्रोडक्शंस के तहत इसका निर्माण करने वाले हैं। यह एक एक्शन, रोमांस और ड्रामा से भरपूर फिल्म होने वाली है।फिल्म का काम इस समय प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है। इसके बाद सितंबर के आसपास उत्तराखंड में इसकी शूटिंग शुरू हो सकती है।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से हटाया गया था हिना खान को

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस हिना खान (36) को स्टार प्लस के सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से घर-घर में पहचान मिली थी। हिना ने इस शो में कई सालों तक काम किया लेकिन मेकर्स संग लड़ाई के बाद इसे अलविदा कह दिया था। रिपोटर्स की मानें तो हिना और मेकर्स के बीच बहुत ज्यादा मनमुटाव हो गया था, जिसके बाद प्रोड्यूसर राजन शाही ने उन्हें शो छोड़ने के लिए कह दिया था। कुछ समय पहले राजन ने बताया था की हिना को शो से निकालने का कारण था। हिना को इस बात से जलन होने लगी थी की शिवांगी जोशी को ज्यादा स्क्रीन टाइम मिल रहा है। ऐसे में हिना ने शूटिंग करने से मना कर दिया था जिसके बाद मैंने उन्हें शो से जाने के लिए कहा था। अब हिना ने गलाटा इंडिया से बातचीत के दौरान कहा कि मैंने आज तक उनके लिए कुछ नहीं बोला, लेकिन पता नहीं सामने वाले ऐसा क्यों कर रहे हैं। जब मैंने शो छोड़ा तो मेरे पिता काफी दुखी थे। ऐसे में उन्होंने मुझसे वादा मांगा कि मैं उनके खिलाफ कुछ नहीं बोलूंगी चाहे कुछ भी हो जाए। मेरे पिता नहीं रहे और अब मैं उनको दिया हुआ यह वादा नहीं तोड़ सकती हूं। मैं मेकर्स की रस्पेक्ट करती हूं क्योंकि उन्होंने मुझे एक्टिंग में पहला ब्रेक दिया था।

थप्पड़ कांड पर कंगना के सपोर्ट में आए अनुपम खेर, कहा- कांस्टेबल के खिलाफ हो कार्रवाई

मुंबई/एजेन्सी

चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर कंगना रनौत को थप्पड़ मारे जाने के मामले पर हर कोई अपना रिएक्शन दे रहा है। अनुपम खेर ने इस घटना की निंदा की है और आरोपी कांस्टेबल कुलविंदर कौर के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। दरअसल, लोकसभा चुनाव में हिमाचल की मंडी सीट से जीतने के बाद कंगना रनौत चंडीगढ़ से दिल्ली आ रही थीं। फ्लाइट पर चढ़ने से पहले वहां तैनात सीआईएसएफ महिला कांस्टेबल कुलविंदर कौर ने उन्हें थप्पड़ जड़ दिया। मुंबई में आयोजित स्टार ऑफ इंडिया अवॉर्ड्स 2024 के मौके पर जब अनुभवी एक्टर अनुपम खेर से इस मामले को लेकर सवाल किया गया, तो वह कंगना के सपोर्ट में उतर आए। उन्होंने कहा, एक महिला के साथ दूसरी महिला ने अपनी पोजिशन का फायदा उठाकर जो फिजिकल वायलेंस किया है, वो बिल्कुल गलत है। इसपर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

खेर ने कहा, गुस्सा जाहिर करना समझ में आता है, लेकिन इस तरह की हरकतें करना निंदनीय है और अस्वीकार्य है। उन्होंने आगे कहा, सांसद या एक्ट्रेस... कंगना का चाहे जो भी स्टेटस हो, वह सबसे पहले एक महिला हैं। महिला या किसी और के प्रति इस तरह की हिंसा अन्यायपूर्ण है। मामले में सीआईएसएफ कांस्टेबल कुलविंदर कौर को सस्पेंड कर दिया गया है और उसके खिलाफ जांच शुरू कर दी गई है। इस पर कुलविंदर का कहना है कि वह कंगना के किसान आंदोलन पर दिए पुराने बयान से नाराज थीं। इस थप्पड़ कांड के अगले दिन कंगना ने शुक्रवार सुबह इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट किया और लिखा, यह मैं समझ गई कि उसने रणनीति के तहत मेरे आने का इंतजार किया और फिर खालिस्तानी स्टाइल में चुपचाप पीछे से आई और बिना कुछ कहे मेरे चेहरे पर मारा।

कंगना ने आगे लिखा, जब मैंने पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया, तो उसने नजरें फेर लीं और उस पर फोकस फोन कैमरों की ओर बोलना शुरू कर दिया। किसान कानून निरस्त कर दिए गए हैं और अब किसी को भी इससे कोई सरोकार नहीं है। शायद यह उसका खालीस्तान में शामिल होने का तरीका था।

हॉरर कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगे संजय दत्त

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त हॉरर कॉमेडी फिल्म में काम करते नजर आयेंगे। संजय दत्त अपनी अगली फिल्म द वर्जिन ट्री में न केवल अभिनय, बल्कि इसका सहनिर्माण भी कर रहे हैं। इस फिल्म में वह घोस्टबस्टर यानी भूत पकड़ने वाले बने हैं। फिल्म की घोषणा साल 2022 में ही हुई थी, लेकिन फिर इसे लेकर खास जानकारियां सामने नहीं आई थी।

अब फिल्म के निर्माता दीपक मुकुट ने फिल्म के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हॉरर कॉमेडी होने के साथ ही फिल्म म्यूजिकल भी है। आजकल हॉरर जॉनर काफी पसंद किया जा रहा है। कुछ वर्षों पहले मैंने ही संजय को एक म्यूजिक वीडियो के लिए अप्रोच किया था। उनके पास इस फिल्म कहानी थी।उन्होंने मुझे कहानी सुनाई और हम इससे जुड़ गए। हमने स्क्रिप्ट और कास्ट को फाइनल कर लिया। सिद्धांत सचदेव फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। दीपक मुकुट ने बताया ,संजय फिल्म में घोस्टबस्टर जरूर बने हैं, लेकिन उनके पास तरह-तरह के गैजेटस यानी यंत्र होंगे, जिससे वह आत्माओं और भूत-प्रेत को ढूढेंगे और पकड़ेंगे। फिल्म की कहानी एक पेड़ के इर्द-गिर्द घूमेगी, जिसमें सुपरनेचुरल शक्तियां होंगी। द वर्जिन ट्री फिलहाल वर्किंग टाइटल है। संजय के साथ फिल्म में मौनी राय और पलक तिवारी भी अहम भूमिकाओं में होंगी। अगस्त में फिल्म को रिलीज करने की योजना है।

15 अगस्त को रिलीज होगी 'वेदा'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के माचो हीरो जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा, 15 अगस्त को रिलीज होगी। निखिल आडवाणी निर्देशित 'वेदा' एक एक्शन से भरपूर फिल्म हैं, जो कि सच्ची घटनाओं से प्रेरित होकर बनाई गई है।जॉन अब्राहम की इस फिल्म में दिल दहला देने वाले स्टंट और जबरदस्त एक्शन होंगे।

दावा किया जा रहा है कि फिल्म की कहानी चौंका देने वाली होगी। फिल्म में जॉन अब्राहम के अलावा शरवरी, अभिषेक बनर्जी और तमन्ना भाटिया अहम भूमिका में नजर आएंगे। वेदा 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित और असीम अरोड़ा द्वारा लिखित, 'वेदा' का निर्माण जी स्टूडियोज, उमेश कुमार बंसल, मोनिशा आडवाणी, मधु भोजवानी, जॉन अब्राहम द्वारा किया गया है।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

‘दुनिया में सफल व असफल लोगों का सबका अपना मत है परंतु जिन्होंने भी अपने काम में अगर 20 प्रतिशत भी कोशिश की है उनको 80 प्रतिशत सफलता अवश्य मिली है। आज दुनिया में जीतने भी लोग सफल है उन्होंने वही पर चोट की है जहां पर परिणाम मिलते है।’

प्रभु महावीर का जीवन अनुकरणीय है : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई मुम्बई। शहर के सीवुड जैन संघ में आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी आदि मुनिवृंद का आगमन हुआ। संघ ने संतों का स्वागत सामैया से किया इस मौके पर आचार्यश्री ने कहा कि भगवान महावीर के जीवन में कोई हड़बड़ी नहीं है। उनसे जुडी घटनाएं प्रमाणित करती है कि उनका जीवन भागता हुआ नहीं, ठहरकर सोचता हुआ, शान्त तटस्थ और चीजों को बिना किसी पूर्वाग्रह के समझने के लिए प्रस्तुत होता हुआ है। ग्रहण करने की भावुक उतावली भी नहीं और छूट जाने का बोझिल पश्चाताप भी नहीं।

जीवन में कोई नाटकीयता नहीं, कोई तमाशा नहीं। एक मैदानी नदी की तरह शान्त बहाव सा जीवन। उन्होंने मानवाधिकार अथवा प्राणियों के अधिकारों की ही नहीं बल्कि समस्त जड़-चेतन के अधिकारों की बात कही है। प्रभु महावीर का जीवन अनुकरणीय है।

राजेन्द्र पूनम ग्रुप ने की गौपूजा व गौसेवा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय राजेन्द्र पूनम ग्रुप के 27 सदस्यों ने कोरमंगला गौशाला में गौ सेवा का कार्य कर गौ पूजा की। इस अवसर पर अधिकांश सदस्यों ने अपने स्तर पर गौ माता की सेवा करने के लिए घास, तरबूज, खरबूजा, कबूतरों को चुग्गा, ज्वार, गेहूं एवं विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री की सेवा गी। इस मौके पर ग्रुप के अधिकतर सदस्य उपस्थित थे।

कोतनूर आईमाता वडेर में एक्युप्रेशर चिकित्सा शिविर में 120 लोग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सीरवी समाज कोतनूर आईमाता वडेर में डाक्टर राममनोहर लोहिया आरोग्य जीवन संस्थान हनुमानगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में एक्युप्रेशर, सुजोक व मैग्नेटिक चिकित्साका 6 दिवसीय शिविर कोतनूर आईमाता वडेर में आयोजित किया गया। वडेर में आयोजित शिविर में पहले दिन रविवार को करीब 120 से अधिक मरीजों ने प्राकृतिक चिकित्सा का लाभ लिया। चिकित्सा विशेषज्ञ टीके चौधरी अपनी टीम के साथ एक्युप्रेशर, सुजोक, मैग्रेट और सामान्य चिकित्सा के माध्यम से डायबिटीज, बीपी, थायरॉइड, अस्थमा (दमा), पेट दर्द, सर्वाइकल दर्द, आंख, कान व नाक की बीमारी और जोडों के दर्द के बारे में परामर्श व प्राकृतिक चिकित्सा प्रदान की।

इस अवसर पर अध्यक्ष जियाराम बर्फा, सचिव उमाराम हाम्बड़, उपाध्यक्ष राजूराम पंवार, कोषाध्यक्ष राजूराम काग, प्रकाश हाम्बड़ आदि उपस्थित रहे।

विजयनगर जैन स्थानक में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थित वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ ट्रस्ट विजयनगर द्वारा स्थानक भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं ने उत्साह से रक्तदान किया, एकत्रित रक्त का संग्रहण बेंगलूरु ब्लड बैंक ने किया। इस मौके पर अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने रक्तदाताओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान जीवनदान है। आपके द्वारा दान किया हुआ एक यूनिट रक्त तीन जिंदगियां बचा सकता है। संघ के पदाधिकारियों ने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए।

शिवराज सिंह चौहान : पहली बार बने केंद्रीय मंत्री

भोपाल/दक्षिण भारत। भाजपा नेता शिवराज सिंह चौहान ने पिछले साल पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनने से वंचित होने के बाद दरकिनार किए जाने के अपने आलोचकों के दावे को गलत साबित करते हुए छठी बार मध्य प्रदेश की विदिशा लोकसभा सीट 8.21 लाख मतों के रिकॉर्ड अंतर से जीती। रविवार को उन्होंने पहली बार केंद्रीय मंत्री के रूप में शपथ ली। ‘मामाजी’ के नाम से मशहूर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपने विनम्र एवं मिलनसार स्वभाव के कारण अपने मित्रों ही नहीं विरोधियों में भी पसंद किए जाते रहे हैं और भारतीय जनता पार्टी में वे उन चंद नेताओं में शामिल हैं जिनके पास काफी लंबे समय इतने बड़े राज्य को चलाने का प्रशासनिक कौशल रहा है।

चौहान ने चार जून को घोषित आम चुनाव 2024 के परिणामों में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को आठ लाख 21 हजार के भारी अंतर से पराजित कर विदिशा लोकसभा सीट जीती। यह संयोग है कि भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें इस आम चुनाव में विदिशा संसदीय क्षेत्र से उतारा जिसका प्रतिनिधित्व वह पहले एक या दो नहीं बल्कि पांच बार कर चुके थे। वह प्रदेश की जनता विशेष रूप से बच्चों में मामाजी’ के नाम से लोकप्रिय हैं, जबकि मुख्यमंत्री बनने से पहले अपनी लोकसभा सीट विदिशा में अमूमन पैदल चलने के कारण वह ‘पांव-पांव वाले भैया’ के नाम से पुकारे जाते थे।

मध्य प्रदेश के 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में इस 64 वर्षीय नेता ने ’लाडली बहना’ जैसी बाजी पलटने वाली योजना की मदद से सत्ता विरोधी लहर को मात दी थी। हालांकि, उनकी पार्टी ने पिछले महीने हुए विधानसभा चुनावों में उन्हें मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में पेश नहीं किया। चौहान को एक सफल प्रशासक के साथ ही बेहद विनम्र और मिलनसार राजनेता के रूप में पहचाना जाता है।

‘विशाल व्यवसायिक उन्नत्ति के साथ संस्कारों की ग्रोथ भी बहुत जरुरी’

- हर्षवर्धन जैन ने सफलता पर तो जया किशोरी ने संस्कारों पर डाला प्रकाश
- युवा विंग व जेपीएफ द्वारा अनेक प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ‘दुनिया में सफल व असफल लोगों का सबका अपना मत है परंतु जिन्होंने भी अपने काम में अगर 20 प्रतिशत भी कोशिश की है उनको 80 प्रतिशत सफलता अवश्य मिली है। आज दुनिया में जीतने भी लोग सफल है उन्होंने वही पर चोट की है जहां पर परिणाम मिलते है।’ यह विचार प्रेरक वक्ता हर्षवर्धन जैन ने जीतो बेंगलूरु के जीतो ग्रोथ सम्मिट में ‘धंधे से दिल तक जीवन’ मंथन विषय पर बोलते हुए व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जीवन में विकास करने के लिये बहानों के टापू से बाहर आना होगा, जो ताकत हम बहाने बनाने में लगाते है उस ताकत को काम में लगाना होगा और जीवन में बदलाव का बड़ा रूपांतरण करना होगा। सफलता के सिद्धांत बताते हुए उन्होंने धधकती हुई इच्छा शक्ति, मजबूत अवलोकन, काबिलियत बढ़ाने पर ध्यान, इंद्रियों पर काबू, अपने आप को कठोर बनाने जैसे बिंदुओं पर उदाहरण के साथ प्रकाश डाला। उन्होंने श्रोताओं को व्यक्तिगत मैनेजमेंट व समय के साथ बदलती व्यक्तिगत क्षमताओं और प्रदर्शन को विस्तार से समझाया और साथ में कहा कि आगे बढ़ने के लिये अपने जीवन का चार्ज स्वयं को लेना होगा।

दोपहर के सत्र में अध्यात्म गुरू एवं कथावाचक जया किशोरी ने सैकड़ों की संख्या में उपस्थित श्रोताओं को ‘सिसकते संसार-सिमटे परिवार’ विषय पर कहा कि अध्यात्म का अर्थ यह नहीं है कि सब कुछ छोड़ देना, अपितु उस समय की सोच से एक पायदान ऊपर सोचना अध्यात्म है। परिवार के बारे में उन्होंने कहा कि एक सामान्य सी सोच रहती है पूरा परिवार सुख में साथ है जबकि हमारे दुःखों के समय में साथ देने वाला अगर कोई है तो वो सिर्फ परिवार ही होता है। उन्होंने कहा कि आज कल अधिकतर माँ-बाप अपने बच्चों को अच्छी सीख देने के लिये उनके समझदार होने होने की प्रतीक्षा करते है और यही भूल हर माँ-बाप करते है, संस्कार बचपन में देने होगें तब वो समझदार बनाएंगें। युवाओं से उन्होंने कहा कि दुनिया में सिर्फ माँ-बाप ही सबसे ज्यादा निःस्वार्थ प्यार करने वाले होते है। शिक्षा के बारे में उन्होंने कहा कि आज की शिक्षा सिर्फ कमाना सिखाती है, इंसान बनना नहीं सिखाती है। उन्होंने कहा कि आज हमारे भावों को बदलने की जरूरत है। मेरा भला हो और मेरे काम से दूसरों का भी भला हो, यह सोच विकसित करनी होगी। उन्होंने कहा कि व्यवसायिक विकास के साथ संस्कारों के ग्रोथ की आवश्यकता है। हर्षवर्धन जैन व जया किशोरी का जीतो की ओर से सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन जीतो साउथ महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल ने किया।

ग्रोथ समिट में युवा विंग द्वारा नेटवर्किंग पर ‘मनी-हाइट्स’ विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में 250 से ज़्यादा प्रतिभागियों ने 90 मिनट तक एक अभूतपूर्व नेटवर्किंग गेम का अनुभव किया। युवा विंग अध्यक्ष पिंकेश मेहता के अनुसार प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को बातचीत, समस्या-समाधान, संज्ञानात्मक व समन्वय तथा टीम वर्क सिखाया गया। ट्रेड फेयर के लगातार दूसरे दिन की सफलता से उत्साहित जीतो साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने कहा कि व्यापारियों और पेशेवरों को इस ट्रेड फेयर का दीर्घकालिक लाभ मिलेगा और ग्राहकों को नये उत्पादों को जानने एवं समझने का सुखद अनुभव। जीतो अपेक्स के गणपत चौधरी ने कहा कि जीतो जनुपयोगी कार्यों में हमेशा अग्रणी रहा है और भारत भर के जीतो अध्याय बेंगलूरु का अनुसरण करते है। जीतो अपेक्स सलाहकार समिति अध्यक्ष तेजराज गुलेच्छा ने कहा कि श्रोताओं एवं आगन्तुकों की भीड़ ग्रोथ सम्मिट व ट्रेड फेयर के सफलता की कहानी बताते है। जैन पैवेलियन में सैकडों आगन्तुकों ने वीआर तकनीक के माध्यम से समृद्ध संस्कृति का अनुभव किया।

रविवार के अवकाश के कारण ट्रेड फेयर में प्रातकाल से ही खरीददारों की भीड़ देखी गई। पंचकेशरी बड़ेरा ज्वेलर्स के माणकचंद बड़ेरा ने कहा कि ट्रेड फेयर में उनके स्टाल पर आशा के अनुरूप ग्राहकी रही और नये ग्राहक भी संपर्क में आये। उन्होंने खुशी व्यक्त की कि आयोजन से युवाओं में संपर्क बढ़ा। मारवाड़ी जोड़ी की हर्षा बाफना ने जोड़िया बनाना आज की जरूरत है, आज की शिक्षा व सोच को देखते हुए जोड़िया बनना आसान नहीं रहा, समाज में बन रही परिस्थिति के कारण आज कोई भी रिश्तेदार बीच में नहीं आते है और वो काम ‘मारवाड़ी जोड़ी’ करती है। रियल स्टेट व्यापारी पारसमणि के निदेशक दिनेश गुलेच्छा ने कहा कि वो ट्रेड फेयर का अनुभव कभी नहीं भूलेंगे, यहां हुए व्यापारिक समझौतों से उनका स्टाल लेने का निर्णय सफल हुआ।

शपथ ग्रहण समारोह में गांधीनगर तेरापंथ सभा अध्यक्ष भंसाली एवं टीम ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित तेरापंथ सभा भवन में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ठाणा के सान्निध्य में तेरापंथ सभा गांधीनगर के नव निर्वाचित अध्यक्ष पारसमल भंसाली के नेतृत्व में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन महासभा आंचलिक दक्षिण प्रभारी प्रकाश लोढ़ा एवं बहादुर सेठिया ने किया। निवर्तमान सभा अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़ ने स्वागत करते हुए नव निर्वाचित अध्यक्ष पारसमलजी भंसाली को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। तत्पश्चात अध्यक्ष पारसमल ने अपने परामर्शक मंडल, पदाधिकारी, कार्यकारणी, कार्य समिति सदस्यों की घोषणा की,जिसमें उपाध्यक्ष ललित मांडोत, दिनेश पोखरना व विनय बैद, मंत्री विनोद छाजेड़, सहमंत्री मोहित बोथरा व सुभाष पोखरना, कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया, संगठन मंत्री राजेन्द्र बाफना के नाम की घोषणा की गई।

साध्वीश्री ने कहा कि नवगठित टीम संघ और संघ पति के प्रति समर्पित होकर महासभा द्वारा निर्देशित दिशा निर्देशों के अनुसार सभा के करणीय कार्य करे एवं भावी पीढ़ी में संस्कारों के निर्माण के आयोजन के साथ ज्ञानशाला का विकाश करना है । अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने कहा कि सम्पूर्ण समाज के सहयोग से जो भी सभा के करणीय कार्य है उसे प्राथमिकता दी जाएगी ।

समाज ने जो मुझे दायित्व दिया उस पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा। महासभा से प्रकाश लोढ़, बहादुर सेठिया, प्रकाश बाबेल, गौतम मुथा, माणकचंद संचेती, महावीर धोका, प्रकाश कुंडलियां, ललित चोरडिया, रमेश कोठारी, कन्हैयालाल चिप्पड़ आदि ने शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन महासभा कार्यसमिति सदस्य नवनीत मुथा ने किया। नवमनोनित सभा मंत्री विनोद छाजेड़ ने धन्यवाद देते हुए कहा कि हमें अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहना है।

फ्लाई ओवर मैन एवं ‘रोडकरी’ के नाम से मशहूर हैं गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और उससे संबद्ध अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से अपना सामाजिक-राजनीतिक सफर शुरू वाले नितिन गडकरी ने पहले राज्य स्तर और फिर केंद्र में सड़क परिवहन मंत्रालय में अपने काम को इतनी कुशलता से किया कि लोगों के बीच वह हाईवे मैन ऑफ इंडिया एवं ‘रोडकरी’ के नाम से मशहूर हुए। वह भाजपा के उन चंद नेताओं में शामिल हैं जिनके मित्र हर राजनीतिक दल में हैं।

संघ के गढ़ माने जाने वाले नागपुर में जन्मे और पले-बढ़े 67 वर्षीय गडकरी ने रविवार को मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में एक बार फिर कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ ली। गडकरी ने महाराष्ट्र सरकार से लेकर केंद्र सरकार तक मंत्री रहते हुए सड़कों, राजमार्ग और बंदरगाहों समेत अवसंरचना के क्षेत्र में काफी काम किया है और उन्हें देश की अनेक विकास परियोजनाओं को तय लक्ष्य पर पूरा करने के लिए भी जाना जाता है। गडकरी को पिछले 10 वर्षों में देश में 90,000 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों और 30,000 किलोमीटर नई सड़कों के निर्माण का श्रेय दिया जाता है।

इस वर्ष की शुरुआत में ‘भाषा’ को दिए एक साक्षात्कार में वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा था कि वह लोगों की यथासंभव मदद करना चाहते हैं और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए काम करते रहना चाहते हैं।

गडकरी ने नागपुर लोकसभा सीट पर निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के विकास ठाकरे को एक लाख 37 हजार से अधिक मतों से पराजित किया। उन्हें इस सीट से लगातार तीसरी बार सफलता मिली है। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में एक मध्यमवर्गीय कृषि परिवार में 1957 में जन्मे गडकरी बचपन से ही आरएसएस से जुड़ गए थे और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) में छात्र नेता के रूप में काम करते हुए उन्होंने भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) की सदस्यता ली। गडकरी का राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश तब हुआ जब उन्हें 2009 में भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। वह 1989 में महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य बने। उन्होंने 1995 से 1999 तक महाराष्ट्र में लोक निर्माण विभाग मंत्री के रूप में काम किया और राज्य में राजमार्गों, खासकर मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे और अनेक फ्लाईओवर के निर्माण के बाद उन्हें राजनीतिक हलकों और जनता के बीच ‘फ्लाई ओवर मैन’ कहा जाने लगा।

सड़कों के विकास के लिए उनके महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के चलते शिवसेना के दिवंगत प्रमुख बालासाहेब ठाकरे ने एक बार गडकरी को नितिन ‘रोडकरी’ कहा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी 2014 में सत्ता में आने के बाद गडकरी को सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी थी।

मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल में गडकरी जब एक बार लोकसभा में सदस्यों के बंदरगाह संबंधी प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे तो उनके जवाबों पर संतोष जताते हुए तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने कहा था कि गडकरी पहले ‘रोडकरी’ कहलाए और अब उन्हें ‘पोर्टकरी’ कहा जाना चाहिए।

तेरापंथ सभा राजाजीनगर की नई टीम ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय राजाजीनगर तेरापंथी सभा ट्रस्ट के नवगठित टीम का शपथ ग्रहण समारोह आरआरनगर में विराजित साध्वीश्री उदितयशजी के सान्निध्य में हुआ। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन महासभा सदस्य प्रकाश लोढा ने किया। निवर्तमान अध्यक्ष रोशनलाल कोठारी ने नवगठित टीम को शुभकामनाएं दी और नवमनोनीत अध्यक्ष अशोक चौधरी को शपथ ग्रहण कराई। तत्पश्चात नवमनोनीत अध्यक्ष ने अपनी नवगठित टीम की घोषणा कर टीम को शपथ ग्रहण करवाई। प्रकाश लोढ़ा ने नई टीम

को मंगलकामनाएं देते हुए महासभा की रीति नीति तथा संविधान की जानकारी दी। आरआरनगर सभा अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने टीम को शुभकामनाएं दी। साध्वीश्री उदितयशाजी ने सभी को अपने दायित्व बोध और कर्तव्यों का सजगतापूर्वक पालन करने की प्रेरणा दी। साध्वीश्री ने कहा कि गुरु की दृष्टि में रहना और गुरु के इंगित की आराधना करना ही हमारा प्रथम दायित्व है। साध्वीश्री संगीत यशाजी ने गीतिका के माध्यम से अपने भाव प्रकट किए। कार्यक्रम का संचालन निर्वतमान मंत्री मदनलाल बोराणा ने किया। आभार मंत्री चंद्रेश मांडोत ने दिया। कार्यक्रम में यशवंतपुर, टी-दासरहली, विजयनगर, आरआर नगर एवं तेयुप राजाजीनगर के अध्यक्ष एवं उनकी टीम की उपस्थिति रही। तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर की अध्यक्ष उषा चौधरी ने नई टीम को शुभकामनाएं दी।

तेरापंथ महिला मंडल राजराजेश्वरीनगर में आयोजित हुई कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल राजराजेश्वरीनगर द्वारा साध्वीश्री उदितयशाजी की निश्रा में एक्सप्लोर वन्स टेलेन्ट शिविर का आयोजन किया। साध्वीश्री ने रोचक कहानी के माध्यम से जीवन में बैलेन्स बनाकर चलने की प्रेरणा दी। अध्यक्ष सुमन पटवारी ने सभी का स्वागत किया। साध्वीश्री संगीतयशाजी ने गीत की प्रस्तुति दी। साध्वीश्री भव्ययशाजी ने चार्ट के माध्यम से कन्याओं को जीवन में समय प्रबंधन व लक्ष्य निर्धारण के बारे में बताया। साध्वीश्री संगीतयशाजी ने कन्याओं को कमाने व ज्ञान अर्जित करने के बारे में संतुलन बनाने की प्रेरणा दी। साध्वीश्री शिक्षाप्रभा जी ने खुद को जानने और समझने की प्रेरणा दी। सभी कन्याओं को सामायिक, डीजिटल त्याग, 24 तीर्थंकर प्रतियोगिता, डिबेट आदि के माध्यम से धार्मिक गतिविधियों से जुड़ने की प्रेरणा दी । शिविर में कुल 47 कन्याओं ने भाग लिया। विभिन्न प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर विजयनगर कन्या मंडल, द्वितीय स्थान पर यशवंतपुर कन्या मंडल तथा तृतीय स्थान पर आरआर नगर कन्या मंडल रहा। कार्यक्रम के अंत में कन्याओं ने शिविर के अपने अनुभव को साझा किया। कन्या मंडल प्रभारी पूनम दुगड़ ने संचालन एवं सहप्रभारी निशा छाजेड़ ने सभी का आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम की संयोजिका दिया छाजेड़ एवं सह-संयोजिका तृप्ति छाजेड़ ने व्यवस्था संभाली।

चुनावी बिसात पर शह को मात में बदल देने की कला के माहिर रहे हैं अमित शाह

नयी दिल्ली/दक्षिण भारत। अपने राजनीतिक एवं रणनीतिक कौशल के लिए पहचाने जाने वाले वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह ने पार्टी की ताकत अभूतपूर्व

रूप से बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके इस कौशल ने 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी के 300 सीट का आंकड़ा पार करने में मदद की थी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बाद देश में दूसरे सबसे प्रभावशाली और भाजपा की विचारधारा के प्रति समर्पित व्यक्ति के रूप में जाने जाने वाले 59 वर्षीय शाह उस समय बड़े दिग्गज नेता के रूप में उभरे जब पार्टी महासचिव के रूप में उनके नेतृत्व में भाजपा नीत गठबंधन ने 2014 में उत्तर प्रदेश से 73 सीट हासिल कीं। सड़कों पर अपनी पार्टी के पोस्टर और पर्चे चिपकाकर अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करने वाले अमित शाह को भारतीय जनता पार्टी की चुनावी रणनीति तैयार करने वाला

‘चाणक्य’ कहा जाता है क्योंकि वह बूथ से लेकर चुनाव मैदान तक प्रबंधन और प्रचार की ऐसी सधी हुई बिसात बिछाते हैं कि मंझे से मंझे राजनीतिक खिलाड़ी भी अकसर मात खा जाते हैं। शतरंज खेलने से लेकर क्रिकेट देखने एवं संगीत में गहरी रुचि रखने वाले अमित शाह को राजनीति का माहिर रणनीतिकार माना जाता है। इस वर्ष अक्टूबर में अपने जीवन के छह दशक पूरे करने जा रहे शाह को राज्य दर राज्य भाजपा की सफलता गाथा लिखने का सूत्रधार माना जाता है। गत चार जून को घोषित आम चुनाव के परिणामों में शाह ने गांधीनगर संसदीय सीट से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को सात लाख 44 हजार से अधिक मतों के अंतर से पराजित किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com